पेज 07 में...

वर्ल्ड कप में भारत की फतह का परचम

साप्ताहिक

शहर सत्ता

PRGI NO. CTHIN/25/A2378

सोमवार, 06 अक्टूबर से 12 अक्टूबर 2025

हम दिखाएंगे आईना...

पेज 08 में...

भाजपा बोली भूपेश राहुल प्रियंका के ATM

वर्ष : 01 अंक : 31 पृष्ठ : 12 मूल्य : 5 रुपए www.shaharsatta.com

पेज 12 मौत के सिरप का तांडव

नजरबंद नजरअंदाज

अपनी ही सरकार के खिलाफ क्यों मोर्चा खोलने लगे ननकी दद्दा

अपनी ही सरकार में हॉउस अरेस्ट होने वाले पहले पार्टी नेता

आखिकार किसने दिया था हॉउस अरेस्ट करने का फरमान ?

गृहमंत्री अमित शाह के प्रवास पर पूर्व गृहमंत्री किये गए नजरबंद

धरना, प्रदर्शन की चेतावनी के बाद भी प्रशासन ने क्यों नहीं बरती गंभीरता ?

सुकांत राजपूत/रायपुर
मोबाईल नंबर 9827181979

ननकी राम कंवर रामपुर विधानसभा से भाजपा की टिकट पर छठवीं बार विधायक चुने गए हैं। रामपुर विधानसभा अनुसूचित जाति जनजाति वर्ग के लिए रिजर्व सीट है। जनसंघ सदस्य के रूप में राजनीति की शुरुवात करने वाले ननकी राम कंवर अपने बेबाक बयानों के लिए जाने जाते हैं। एलएलबी की डिग्री ग्रहण करने वाले कंवर भाजपा के वरिष्ठ नेता हैं और अविभाजित मध्यप्रदेश के समय से ही कई विभागों के मंत्री रह चूके हैं। आखिरकार इतने वरिष्ठ, अनुभवी पार्टी नेता और उनकी जिद को जानते हुए भी नजरअंदाज करने की प्रशासन की क्या वजह है यह समझ से परे है। छत्तीसगढ़ में पार्टी की नींव की ईंट कहे जाने वाले इस नेता को किसके आदेश पर हॉउस अरेस्ट किया गया यह भी एक बड़ा सवाल है?

शहर सत्ता/रायपुर। दिग्गज आदिवासी नेता और पूर्व गृहमंत्री ननकीराम कंवर शुक्रवार देर शाम रायपुर पहुंचे थे और धरने की जानकारी जिला प्रशासन को पहले ही पत्र के जरिए दे चुके थे। शनिवार सुबह 10.30 बजे धरना स्थल पर पहुंचने के प्रयास के दौरान पुलिस ने उन्हें रोक लिया। उन्होंने चेतावनी दी थी कि अगर 4 अक्टूबर तक कार्रवाई नहीं हुई तो वे राजधानी में धरने पर बैठेंगे।

वह शनिवार को सीएम हाउस के सामने धरना देने निकले थे। पूर्व-गृहमंत्री कंवर और समर्थकों को सीएम-हाउस पहुंचने से पहले रोक दिया गया। हालांकि, उन्हें गहोई भवन में नजरबंद कर दिया गया। इसके बाद चेतावनी भरे अंदाज़ में आदिवासी नेता विधायक ननकी राम ने कहा- ' अगर प्रशासन इसी रवैये पर कायम रहा तो अगली बार भाजपा की सरकार नहीं बनेगी।'

बता दें कि ननकी राम कंवर ने कलेक्टर वसंत के खिलाफ संवैधानिक अधिकारों का दुरुपयोग कर लोगों के अधिकार का हनन करने, जबरन किसी व्यक्ति विशेष का कब्जा हटवाने, लोगों का घर तुड़वाने और ठगी के आरोपियों को संरक्षण देने जैसे कई आरोप लगाए हैं।

यह है वयोवृद्ध भाजपा विधायक की मांग

रजगालार पंचायत में भेदभावपूर्ण कार्रवाई, पत्रकार के घर पर कार्रवाई क्यों की गई, 40 हजार महिलाओं से ठगी मामले पर कार्रवाई नहीं, टोल प्लाजा में कलेक्टर की पत्नी के वाहन को बिना टोल रोके जाने पर दो युवकों को जेल भिजवाया गया, कारगिल योद्धा प्रेमचंद को धमकी और फर्जी मामले में फंसाने का प्रयास, डीएमएफ की करोड़ों की राशि मुआवजे के नाम पर बांटी गई, मालगांव-रलिया में 152 लोगों को बिना जमीन फर्जी मुआवजा।

गृहमंत्री शर्मा बोले- वह हमारे वरिष्ठ, नजरबंद नहीं

इस घटना के संबंध में पूछे जाने पर राज्य के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, जिनके पास गृह विभाग का भी प्रभार है, ने कंवर को नजरबंद करने से इंकार किया। उन्होंने कहा कि “नजरबंद जैसी बात हो ही नहीं सकती। ऐसे वरिष्ठ नेता के साथ ऐसा नहीं होता है। वह हमारे नेता हैं। जो उनका निर्देश होगा हम सब सुनेंगे जो उचित होगा वह किया जाएगा।”

सुस्ती किसने बरती ?

- **स्पष्ट चेतावनी दी थी कि 4 अक्टूबर तक कार्रवाई नहीं हुई तो वे रायपुर में धरने पर बैठेंगे**
- **धरने को लेकर वरिष्ठ बीजेपी विधायक ननकी ने रायपुर जिला प्रशासन को भी पत्र दिया था।**
- **राज्य शासन ने कंवर मामले में बिलासपुर संभागायुक्त सुनील जैन से जांच प्रतिवेदन मांगा**
- **सुनील जैन ने कहा शासन की ओर से अभी लिखित आदेश नहीं मिले हैं, मिलेगा तो रिपोर्ट देंगे**

कलेक्टर अजीत वसंत के खिलाफ 14 गंभीर शिकायतें

दिग्गज आदिवासी नेता और पूर्व गृहमंत्री ननकीराम कंवर ने कोरबा कलेक्टर के खिलाफ बीते दिनों 14 गंभीर शिकायतें की थीं। उन्होंने चेतावनी दी थी कि अगर 4 अक्टूबर तक कार्रवाई नहीं हुई तो वे राजधानी में धरने पर बैठेंगे। वह शनिवार को सीएम हाउस के सामने धरना देने निकले थे। पूर्व मंत्री ननकीराम कंवर ने मीडिया से बातचीत में आरोप लगाया कि कलेक्टर हिटलरशाही तरीके से प्रशासन चला रहे हैं। स्व-सहायता समूह की महिलाओं से अरबों रुपये की ठगी, फर्जी मुआवजे और अन्य अनियमितताओं में कलेक्टर की संलिप्तता है। ननकीराम ने यह भी आरोप लगाया कि कलेक्टर भाजपा कार्यकर्ताओं और पत्रकारों को टार्गेट कर रहे हैं। पत्रकार के मकान को गिराना, पार्टी कार्यकर्ताओं के राइस मिल और पेट्रोल पंप को सील करना भी शामिल है।

ननकी राम बोले- मैं आज नहीं तो कल धरना दूंगा

ननकी राम बोले, "मैं कलेक्टर के तबादले की मांग कर रहा हूं। इन लोगों (प्रशासन) ने मुझे जबरदस्ती रोक लिया है। लग रहा है कि इन लोगों ने मुझे गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन बताना नहीं चाह रहे हैं। 'बिना मुआवजा दिए जिले के एक गांव के घरों को तोड़ दिया गया। क्या इस सरकार में कोई कायदा-कानून है। समस्या लेकर जाओ तब (कलेक्टर) कहते हैं कि आप क्यों आ जाते हैं लोगों को लेकर। क्या हम मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के पास जाएंगे। क्या उनको ऐसा बोलने का अधिकार है। मैं प्रदेश अध्यक्ष से बात करूंगा। तबादला नहीं करेंगे तो धरना आज नहीं तो कल कर लेंगे। मैं यहां से ताला तोड़कर बाहर निकलने की कोशिश करूंगा।"

विवाद व दृष्टिकोण

- नक्सलवाद विरोधी कट्टर रुख अपनाने वालों में उन्हें गिना जाता है।
- उन्होंने सलवा जुडूम को समर्थन देने के लिए आलोचनाएँ सहीं।
- वे पुलिस की "अनुचित जाँच तकनीकों" की आलोचना करते रहे हैं।
- एक विवाद में उन्होंने यह आरोप लगाया कि स्वामी अग्निवेश माओवादी समर्थक हैं।

विवाद व दृष्टिकोण

1. कोरबा कलेक्टर अजीत वसंत को हटाने की मांग (2025)

हाल ही में कंवर ने कोरबा कलेक्टर अजीत वसंत के खिलाफ 14 बिंदुओं में शिकायत की और कहा कि यदि कलेक्टर को हटाया नहीं गया, तो वे रायपुर में मुख्यमंत्री आवास के सामने धरने पर बैठेंगे। इस वजह से उन्हें रायपुर एम्स के पास नजरबंद किया गया और विवाद की स्थिति बन गई।

2. CGPSC (छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग) परीक्षा घोटाला

कंवर ने एक सार्वजनिक हित याचिका (PIL) दायर की जिसमें आरोप है कि CGPSC परीक्षा 2021 में भ्रष्टाचार और पक्षपात हुआ है, और संबंधित अधिकारियों एवं आयोग अध्यक्ष / सचिव के संबंधियों को लाभ मिला है। वे इस मामले की स्वतंत्र जांच की मांग कर रहे हैं।

3. 'HM स्क्वॉड' विवाद

उनके समय में एक विशेष पुलिस दल, जिसे "HM स्क्वॉड" कहा जाता था, गठित किया गया था जो आरोपित था कि यह शराब तस्करी और जुआ के मामलों में केंद्रित था, लेकिन उस दल पर जनता द्वारा दायर शिकायतें हुई कि इसके सदस्यों ने लोगों को प्रताड़ित किया और झूठे मुकदमे बनाए। अंततः सरकार ने इस दल को भंग कर दिया।

4. नक्सलवाद के खिलाफ आक्रामक रुख

कंवर को नक्सलवाद के खिलाफ सख्त नीति अपनाने वाले नेताओं में गिना जाता है। उन्होंने यह दावा भी किया है कि यदि उन्हें पूरा कार्यकाल मिला होता, तो नक्सलवाद राज्य से समाप्त हो गया होता।

5. महिला अपराध पर विवादित प्रतिक्रियाएँ

एक मसले में, जब दिल्ली गैंगरेप मामले की निंदा हो रही थी, कंवर ने कहा था कि अपराधों का संबंध "सितारों की स्थिति" से है, जो लोगों में आलोचना का विषय बना।

पूर्व CM भूपेश बघेल ने X पर लिखा

जनता कह रही है कि अगली बार भाजपा को 15 से ज़्यादा सीटें नहीं मिलेंगी। निजी फायदे के लिए एक कंपनी के साथ मिलीभगत करके मुआवजे के नाम पर डीएमएफ में करोड़ों रुपए की बंदरबांट की गई है। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सोशल मीडिया पर लिखा है कि वाह! अमित शाह जी! वाह। भाजपा आदिवासियों की आवाज को दबाना चाहती है। जिस वक्त देश के गृहमंत्री बस्तर में व्यवस्थाओं का जायजा लेने पहुंचे हैं, ठीक उसी वक्त वरिष्ठ आदिवासी नेता ननकीराम कंवर को हाउस अरेस्ट कर लिया गया है। प्रशासनिक दबाव के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करने पर आदिवासी भाजपा नेताओं के साथ भाजपा सरकार का यह कृत्य निंदनीय है।

पीसीसी चीफ बोले सरकार की तानाशाही

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि वरिष्ठ भाजपा नेता श्री ननकी राम कंवर आज प्रदेश में फैली प्रशासनिक अराजकता के खिलाफ धरना देने वाले थे, पुलिस ने उनको रास्ते में रोक लिया तथा हाउस अरेस्ट कर लिया। यह सरकार की तानाशाही है। ननकी राम प्रदेश के वरिष्ठ नेता है। उन्होंने उनके जिले के कलेक्टर की तानाशाही और प्रशासनिक अमले की अराजकता और भ्रष्टाचार पर कार्यवाही के लिए मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। जब इतने बड़े भाजपा नेता की सुनवाई नहीं हो रही तो कल्पना कीजिए कि इस सरकार में आम आदमी का क्या हो रहा होगा? ननकी राम को पुलिस से रोकवाने के बजाय मुख्यमंत्री को उनको सीएम हाउस ससम्मान बुलवा कर उनकी मांग का निराकरण करना था।

परिचय

पिता का नाम:- पंतराम कंवर
जन्मतिथि:- 21 जुलाई 1943
जन्मस्थान:- ग्राम बंधवाभांठा जिला कोरबा छतीसगढ़
विवाह की तिथि:- 21 मई 1963
पत्नी का नाम- शकुंतला देवी कंवर
पत्नी की जन्मतिथि:- 27 अगस्त 1948
संतान- दो पुत्र
शैक्षणिक योग्यता:- एमए एलएलबी
व्यवसाय- कृषि व वकालत
कुल संपत्ति- 2 करोड़ 26 लाख 75 हजार रुपये
स्थायी पता:- रानी रोड़ धनुवारपारा जिला कोरबा छतीसगढ़
अभिरुचि:- कृषि, जनसेवा व गौसेवा
विदेश यात्राएं:- लंदन, पेरिस, फ्रांस, इटली, स्विट्ज़रलैंड।

रामपुर विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 20

रामपुर विधानसभा सीट क्षेत्र क्रमांक 20 कहलाता है। यह अनुसूचित जाति जनजाति वर्ग के लिए रिजर्व सीट है यहां कुल मतदाताओं की संख्या 201629 है। जिसमे से 168016(83.33 प्रतिशत) मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था। ननकीराम कंवर को 65048 (38.72 प्रतिशत) वोट मिले थे। तो वही उनके करीबी प्रतिद्वंद्वी जनता कांग्रेस के फूलसिंह राठिया को 46873(27.90%) वोट मिले थे। जबकि कांग्रेस प्रत्याशी श्याम लाल कंवर तीसरे स्थान पर रहें थे। उन्हें 44261(26.34%) वोट मिले थे।

ननकी राम का सियासी सफर

- अविभाजित मध्यप्रदेश में 1977 से लेकर 1979 तक राजस्व विभाग के संसदीय सचिव रहे।
- 1979 में राजस्व विभाग के राज्य मंत्री बने। 1990 में मंत्री मध्यप्रदेश शासन बनें।
- भारतीय जनता पार्टी के अनुसूचित जनजाति मोर्चा के मध्य प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष भी रहे।
- 1992- 93 में मंत्री जनशक्ति नियोजन एवं तकनीकी शिक्षा विभाग रहे।
- 1994 से 98 तक जिला उपाध्यक्ष प्रदेश कार्यसमिति के साथ ही राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य थे।
- ननकीराम कंवर ने सन 1969 में जनसंघ सदस्य के रूप में राजनीति में प्रवेश किया था।
- सन 1972 में अपना प्रथम विधानसभा चुनाव लड़ा जिसमें उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा।
- 1977 में वे रामपुर विधानसभा से फिर से चुनाव लड़े और पहली बार विधायक बने।
- फिर वे लगातार 1990, 1998, 2003 एवं 2008 में विधायक बने।
- छत्तीसगढ़ राज्य में कृषि, राजस्व, सहकारिता पशुपालन मत्स्य पालन, खाद्य एवं विधि विधाई मंत्री थे।
- छत्तीसगढ़ विधानसभा में पदेन सदस्य नियम समिति, सदस्य कार्य मंत्रणा समिति रहे।
- 2013 हुए विधानसभा चुनाव में उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा।
- 2018 में हुए विधानसभा चुनाव में रामपुर विधानसभा सीट फिर से वह विधायक चुने गए हैं।

देशभर में ईडी का अब तक का सबसे बड़ा ऑपरेशन

रायपुर जोनल कार्यालय ने रचा इतिहास 8,000 करोड़ की मनी लांड्रिंग का पर्दाफाश

रायपुर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने देशभर में मनी लांड्रिंग और साइबर अपराध के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा अभियान चलाकर इतिहास रच दिया है। इस व्यापक कार्रवाई में रायपुर जोनल कार्यालय ने पूरे देश में सबसे बड़ी कामयाबी हासिल की है। मुंबई, दिल्ली और हैदराबाद जैसे बड़े मेट्रो जोन को पीछे छोड़ते हुए रायपुर ईडी टीम ने 8,000 करोड़ रुपये से अधिक की अवैध धनराशि के मनी लांड्रिंग नेटवर्क का खुलासा किया है। यह कार्रवाई विशेष रूप से महादेव ऑनलाइन बेटिंग एप (Mahadev Online Book App) से जुड़ी जांच का हिस्सा है, जो देश के अब तक के सबसे बड़े साइबर और सट्टेबाजी घोटालों में गिना जा रहा है।

ईडी प्रमुख राहुल नवीन ने श्रीनगर में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में बताया कि वर्ष 2020 से अब तक ईडी ने 28,000 करोड़ रुपये की अवैध आय और 8,500 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियों की पहचान की है। संगठन ने देशभर में 28 शहरों में छापेमारी की और 106 से अधिक गिरफ्तारियां की हैं। इनमें कई ऐसे साइबर अपराधी गिरोह शामिल हैं जो विदेशों से (विशेषकर दुबई और यूएई) से संचालित हो रहे थे।

रायपुर बना देश का लीडिंग जोन

ईडी के आंकड़ों के अनुसार, मनी लांड्रिंग और साइबर अपराध मामलों में रायपुर जोन ने देशभर के अन्य जोनों को पीछे छोड़ दिया है।

जोन	मनी लांड्रिंग का खुलासा (रु. करोड़ में)
रायपुर	8,000 करोड़
मुंबई	6,000 करोड़
दिल्ली	5,300 करोड़
हैदराबाद	2,600 करोड़

रायपुर जोन ने न केवल सबसे बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है, बल्कि इसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैले आपराधिक सिंडिकेट के खिलाफ ठोस सबूत भी जुटाए हैं।

महादेव सट्टा एप केस: अब तक की कार्रवाई

महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी एप के जरिए देशभर में हजारों करोड़ रुपये की हवाला और मनी लांड्रिंग की जा रही थी। इस पूरे नेटवर्क को रायपुर ईडी की विशेष टीम ने उजागर किया।

अब तक की कार्रवाई में:

- 160 से अधिक ठिकानों पर छापेमारी
- 19 करोड़ रुपये नकद जब्ती
- 17 करोड़ रुपये मूल्य के कीमती आभूषण और संपत्तियां बरामद
- बैंक और डीमैट खातों में जमा 2,311 करोड़ रुपये फ्रीज
- 13 आरोपियों की गिरफ्तारी

मुख्य मास्टरमाइंड का यूएई से प्रत्यर्पण प्रक्रिया जारी

ईडी ने कई ऐसे डिजिटल पेमेंट चैनल और हवाला नेटवर्क का भी पता लगाया है जिनके जरिए करोड़ों रुपये विदेशी खातों में ट्रांसफर किए जा रहे थे। ईडी अब इस पूरे नेटवर्क के विदेशी कनेक्शन पर फोकस कर रही है। यूएई, श्रीलंका और कैरिबियन देशों में बैठे ऑपरेटरों के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय सहयोग से जांच आगे बढ़ाई जा रही है। मुख्य आरोपी और मास्टरमाइंड का प्रत्यर्पण भारत लाने के लिए विदेश मंत्रालय और इंटरपोल के माध्यम से कार्रवाई तेज कर दी गई है।

ईडी की बढ़ी साख देशभर में चर्चा

रायपुर जोन की इस सफलता ने ईडी की साख को नई ऊंचाई दी है। जहां अन्य जोनल यूनिट्स अपने-अपने क्षेत्रों में सीमित कार्रवाई कर रही थीं, वहीं रायपुर कार्यालय ने तकनीकी साक्ष्य, बैंकिंग ट्रेल और डिजिटल नेटवर्क विश्लेषण का उपयोग कर राष्ट्रीय स्तर पर एक मॉडल केस प्रस्तुत किया है। इस अभियान के बाद देशभर में ऑनलाइन सट्टेबाजी एप्स पर निगरानी बढ़ाई गई है। 40 से अधिक बैंक और फिनटेक कंपनियों को संदिग्ध खातों की जांच के निर्देश मिले हैं। केंद्र सरकार ने साइबर फाइनेंशियल क्राइम की रोकथाम के लिए एकीकृत मॉनिटरिंग सिस्टम (IMS) की रूपरेखा तैयार करने का आदेश दिया है।

महादेव एप: डिजिटल सट्टेबाजी का सबसे बड़ा रैकेट

महादेव एप केस देश में ऑनलाइन जुआ और सट्टेबाजी से जुड़ा अब तक का सबसे बड़ा वित्तीय अपराध मामला बन गया है। जांच में सामने आया है कि इस एप के जरिए भारत के बाहर बैठे ऑपरेटर डमी कंपनियों, क्रिप्टो करेंसी, और शेल खातों के माध्यम से अवैध लेन-देन कर रहे थे। ईडी की जांच में यह भी पता चला कि इस नेटवर्क के जरिए देश के कई राज्यों में राजनैतिक और कारोबारी स्तर पर धन की हेराफेरी की जा रही थी।

ऑनलाइन सट्टे में हारे 46 लाख, फिर रची 86 किलो चांदी की लूट की झूठी कहानी

रायपुर का सराफा कारोबारी गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर के सदर बाजार क्षेत्र में कथित "86 किलो चांदी की लूट" का सनसनीखेज मामला अब फर्जी साबित हुआ है। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि सराफा कारोबारी राहुल गोयल ने ऑनलाइन क्रिकेट सट्टे में 46 लाख रुपये गंवाने के बाद इस लूट की झूठी कहानी खुद गढ़ी थी। पुलिस ने कारोबारी को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उसने पूरा सच स्वीकार कर लिया।

पुलिस जांच में सामने आया कि राहुल गोयल (निवासी अलीगढ़, उत्तर प्रदेश) पिछले कई महीनों से ऑनलाइन सट्टे में रकम लगा रहा था। राहुल रायपुर में शिवा ट्रेडर्स नामक फर्म संचालित करता है, जो आगरा की एक प्रमुख ज्वेलरी कंपनी के लिए क्लियरिंग एंड फारवर्डिंग एजेंट (CFA) के रूप में काम करती है। सट्टे में लगातार घाटा होने पर उसने कंपनी का माल और रकम बचाने के लिए "लूट का नाटक" रचा। एसपी रायपुर ने कहा — "पूरी जांच वैज्ञानिक साक्ष्यों पर आधारित है। आरोपी ने अपने आर्थिक नुकसान को छिपाने के लिए फर्जी लूट की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। ऑनलाइन सट्टे में उसकी लत ने उसे अपराध की राह पर धकेल दिया।"

3 बजे रात का 'लूट' का झूठा ड्रामा

राहुल ने शुक्रवार रात पुलिस को शिकायत दी कि रात करीब 3 बजे दो नकाबपोश बदमाश उसके घर में घुसे और 86 किलो चांदी के जेवर लूटकर भाग गए। उसने दावा किया कि बदमाशों ने कट्टा और चाकू की नोक पर उसे बंधक बनाया, मुंह दबाकर बेहोश कर दिया और DVR भी साथ ले गए। परंतु, पुलिस की जांच में न तो जबरन प्रवेश के कोई निशान मिले, न फिंगरप्रिंट, न रस्सी के निशान। एफएसएल टीम और क्राइम ब्रांच ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया, लेकिन लूट के किसी वास्तविक संकेत का पता नहीं चला।

सख्त पूछताछ में खुली साजिश की परतें

रातभर चली पूछताछ में कारोबारी बार-बार बयान बदलता रहा। जब पुलिस ने सीसीटीवी, मोबाइल लोकेशन और वित्तीय लेनदेन के सबूत रखे, तो राहुल टूट गया और सच कबूल किया। उसने बताया कि दीवाली के लिए आगरा से मंगाई गई 200 किलो चांदी में से 40 लाख रुपये की चांदी बेचकर वह सट्टे में हार गया था। बाकी बचे 86 किलो की 'लूट' की झूठी कहानी बनाकर वह कंपनी को नुकसान से बचाना चाहता था।

सीसीटीवी खराब और DVR गायब पहले से रची गई चाल

जांच में यह भी सामने आया कि राहुल के अपार्टमेंट का सीसीटीवी कैमरा कई दिनों से खराब था, और DVR उसी रात "लूटे जाने" की कहानी में शामिल किया गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, "यह एक योजनाबद्ध धोखाधड़ी थी, जिसमें कारोबारी ने तकनीकी सबूतों को पहले से नष्ट करने की कोशिश की।"

अवैध पेट्रोल-डीजल कारोबार का भंडाफोड़ 11 गिरफ्तार, 4 टैंकर, कई ड्रम जब्त

रायपुर। राजधानी रायपुर में लंबे समय से चल रहे अवैध पेट्रोल-डीजल कारोबार का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। विधानसभा थाना क्षेत्र के अंतर्गत बुधवार देर रात क्राइम ब्रांच और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने दो अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर 11 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने चार टैंकर, कई ड्रम और पाइप जब्त किए हैं। जब्त किए गए माल की कुल कीमत लगभग 4.30 लाख रुपये आंकी गई है।

सूरज शाह के यार्ड पर छापा

पहली छापेमारी रिंग रोड नंबर-3, पिरदा चौक स्थित सूरज शाह के यार्ड पर की गई। पुलिस के अनुसार, यहां सूरज शाह, अखिलेश चौबे, नीरज कुमार, अरविंद गोंड और रोहित कुमार बघेल पेट्रोल-डीजल का अवैध भंडारण कर रहे थे। मौके से भारी मात्रा में ड्रम और पाइप मिले, जिनमें रखे पदार्थ के सैंपल लेकर फोरेंसिक जांच के लिए सीलबंद किया गया। जब्त किए गए माल की कीमत लगभग 1.40 लाख रुपये बताई गई है। कार्रवाई के दौरान मुख्य आरोपी सूरज शाह मौके से फरार हो गया, जबकि बाकी आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है।

टेकारी चौक पर बड़ा भंडाफोड़

दूसरी छापेमारी रिंग रोड नंबर-3, टेकारी चौक स्थित उमेश साव के यार्ड में की गई। यहां उमेश साव, शैलेन्द्र कुमार साव, शेख कलीम उद्दीन, राज पटेल, नीरज नेताम और रवि यादव अवैध रूप से ज्वलनशील तरल पदार्थों का भंडारण और बिक्री करते पाए गए। यहां से पुलिस ने कई ड्रम, टैंकर और दो बड़े प्लास्टिक पाइप जब्त किए। जब्त माल की अनुमानित कीमत 2.90 लाख रुपये आंकी गई है। आरोपितों के पास से किसी भी प्रकार का वैध लाइसेंस या अनुमोदन दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया।

अधर्म के विरुद्ध आवाज उठाना ही सबसे बड़ा धर्म : पंडित धीरेंद्र शास्त्री

रायपुर। बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि "मंदिर जाना, पूजा-पाठ करना या कथा-भागवत करना ही धर्म नहीं है, बल्कि अधर्म के विरुद्ध आवाज उठाना ही सबसे बड़ा धर्म है।" उन्होंने कहा कि वह हर बार अधर्म के खिलाफ बोलते हैं — चाहे घटना प्रदेश की हो या देश की। पंडित शास्त्री शनिवार को गुढ़ियारी स्थित अवधपुरी मैदान में आरंभ हुई पांच दिवसीय हनुमंत कथा के उद्घाटन अवसर पर श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे। पंडित शास्त्री ने कहा कि कुछ लोग उनके विचारों को गलत समझते हैं — "मैं किसी धर्म का विरोध नहीं करता। मैं केवल सनातन धर्म का समर्थन करता हूं। जो अधर्म के खिलाफ बोलना नहीं चाहता, वह धर्म का सार नहीं समझ पाया।" उन्होंने कहा कि आज कुछ लोग अधर्म के खिलाफ आवाज उठाने वालों को "विधर्मी" कहकर बदनाम करने की कोशिश करते हैं, लेकिन सत्य हमेशा स्थायी होता है। मंगलाचरण के बाद पंडित शास्त्री ने कहा — "मनुष्य तन बड़े भाग्य से मिलता है। अगर पाकिस्तान में जन्म होता तो शायद बम बनाते, कथा सुनने का अवसर नहीं मिलता। चीन में तो लगता है, ब्रह्माजी ने सबको फोटोकॉपी बना दिया है। इसलिए भारत और सनातन धर्म में जन्म लेना सौभाग्य की बात है।"

साप्ताहिक शहर सत्ता

रायपुर वाइजैग हाईवे की पहाड़ी पर 2.79 किमी सुरंग का निर्माण पूरा

छत्तीसगढ़ की पहली राष्ट्रीय राजमार्ग सुरंग 12 महीने में तैयार

रायपुर। इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपेंट के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ ने एक और बड़ी छलांग लगाई है. बुनियादी ढांचे को मजबूत करते हुए बड़ी उपलब्धि अपने नाम किया है. दरअसल, नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (NHAI) ने सिर्फ 12 महीनों में राज्य की पहली राष्ट्रीय राजमार्ग सुरंग (लेफ्ट हैंड साइड) का निर्माण कार्य पूरा कर लिया है. इस उपलब्धि को इंजीनियरिंग के नजरिए से महत्वपूर्ण होने के साथ-साथ आमजन के जीवन और राज्य के आर्थिक विकास को नई दिशा देने वाला सीएम ने बताया है. NH टनल 12 महीनों में हुआ तैयार:2.79 किलोमीटर लंबी यह टनल रायपुर - विशाखापट्टनम आर्थिक गलियारे (NH-130CD) का हिस्सा है, जिसे भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अभनपुर परियोजना कार्यान्वयन इकाई द्वारा बनाया जा रहा है. यह ट्वीन ट्यूब टनल जब पूरी तरह तैयार होगी, तो रायपुर से विशाखापट्टनम तक यात्रा का समय काफी कम हो जाएगा. टनल के तैयार होने से व्यापार एवं उद्योग को गति मिलेगी और छत्तीसगढ़, ओडिशा के साथ आंध्र प्रदेश के बीच संपर्क और मजबूत होगा.

केशकाल में फोर लेन को मिल चुकी है मंजूरी

15 जून को पीएम मोदी भी बस्तर को बड़ी सौगात दे चुके हैं. केशकाल घाटी में बायपास फोर लेन हाइवे बनाने के लिए 307.96 करोड़ की स्वीकृति मंजूर की है. वन मंत्री केदार कश्यप ने ट्वीट कर छत्तीसगढ़ की जनता को इसकी खुशखबरी दी थी. केदार कश्यप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को धन्यवाद दिया है. केदार कश्यप ने कहा कि डबल इंजन की सरकार में छत्तीसगढ़ विकास के रास्ते पर पूरी रफ्तार से आगे बढ़ रहा है.

पहाड़ों के पार अब उम्मीदों की राह बनी!

सिर्फ 12 महीनों में NHAI ने छत्तीसगढ़ की पहली राष्ट्रीय राजमार्ग सुरंग (लेफ्ट हैंड साइड) का निर्माण कर विकास की नई मिसाल पेश की है। यह केवल इंजीनियरिंग की उपलब्धि नहीं, बल्कि जन-जीवन को जोड़ने वाली उम्मीदों की राह है। 2.79 किमी लंबी यह सुरंग रायपुर–विशाखापट्टनम आर्थिक गलियारे (NH-130CD) का हिस्सा है, जो अब छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्र प्रदेश के बीच रोज़गार, व्यापार और मानवीय संबंधों को और मज़बूती देगी। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री श्री नितिन गडकरी जी एवं NHAI टीम को इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए धन्यवाद। यह "समृद्ध और सशक्त छत्तीसगढ़" के हमारे विज़न की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

-श्री विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़ शासन

जैजैपुर विधायक बालेश्वर साहू पर एफआईआर दर्ज

पूर्व बैंक मैनेजर रहते हुए किसान की जमीन पर लोन लेकर रकम हड़पने का आरोप

किसान क्रेडिट कार्ड घोटाले में लाखों की धोखाधड़ी का आरोप

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ के जैजैपुर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक बालेश्वर साहू एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। विधायक रहते हुए उनके खिलाफ अब किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) से जुड़ी करोड़ों के फर्जीवाड़े की शिकायत के बाद एफआईआर दर्ज की गई है। यह मामला तब का है जब साहू 2015 से 2020 तक बम्हनीडीह सहकारी बैंक, चांपा में शाखा प्रबंधक (मैनेजर) के पद पर पदस्थ थे। चांपा थाना पुलिस ने बालेश्वर साहू और उनके अधीनस्थ कर्मचारी गौतम राठौर के खिलाफ धारा 420 (धोखाधड़ी), 468 (फर्जी दस्तावेज तैयार करना), 467 (गंभीर जालसाजी) और 34 (साझा आपराधिक षड्यंत्र) के तहत अपराध दर्ज किया है। एफआईआर की पुष्टि एडिशनल एसपी उमेश कुमार कश्यप ने की है। एडिशनल एसपी उमेश कुमार कश्यप ने कहा, "किसान से 2015 से 2020 के बीच धोखाधड़ी की शिकायत मिली है। सहकारी बैंक और एचडीएफसी बैंक खातों से कुल 42 लाख 78 हजार रुपये की अनियमित निकासी हुई है। साक्ष्यों के आधार पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है। जांच आगे बढ़ रही है, दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी।

कैसे हुआ फर्जीवाड़ा

एफआईआर के मुताबिक, बम्हनीडीह के सरवानी गांव के किसान राजकुमार शर्मा की 50 एकड़ जमीन पर कर्ज दिलवाने के नाम पर बालेश्वर साहू और गौतम राठौर ने किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) बनवाया। किसान को लोन दिलवाने का झांसा देकर पहले एचडीएफसी बैंक में दो खाते खुलवाए, फिर ब्लैंक चेक पर हस्ताक्षर करवाकर अपने पास रख लिए। इसके बाद किसान के खाते में लोन राशि आने के बाद 15 जनवरी 2015 को फर्जी हस्ताक्षर कर 51 हजार रुपये की निकासी की गई। यही नहीं, उसी लोन से 7 लाख 50 हजार रुपये साहू की पत्नी आशा बालेश्वर साहू के खाते में ट्रांसफर किए गए। जांच में यह भी सामने आया है कि 2015 से 2020 तक अलग-अलग चेक के माध्यम से कुल 42 लाख 78 हजार रुपये किसान के खाते से फर्जी तरीके से निकाले गए, जबकि किसान को इसकी कोई जानकारी नहीं थी।

बैंक अधिकारी के फोन से खुला राज

इस पूरे फर्जीवाड़े का पर्दाफाश तब हुआ जब बैंक अधिकारी ने किसान राजकुमार शर्मा को फोन कर यह पूछ लिया कि क्या उन्होंने बालेश्वर साहू को अपने खाते से निकासी की अनुमति दी है। किसान यह सुनकर हैरान रह गया और तुरंत बैंक पहुंचा, जहां खाते की डिटेल निकलवाने पर सारी अनियमितताएं सामने आईं। किसान ने इसके बाद बालेश्वर साहू से पैसे की मांग की, जिस पर साहू ने 6 महीने के भीतर ब्याज सहित राशि लौटाने का वादा किया। लेकिन बाद में मामले को विधानसभा चुनाव खर्च बताकर टाल दिया गया।

चुनाव में खर्च होने का दावा, रकम नहीं लौटी

किसान के मुताबिक, साहू के अधीनस्थ कर्मचारी गौतम राठौर ने कहा कि "यह पूरी राशि विधानसभा चुनाव में खर्च कर दी गई है।" लेकिन 6 महीने बाद भी न तो पैसा लौटा, न ही कोई ब्यौरा दिया गया। आखिरकार किसान राजकुमार शर्मा ने एफआईआर दर्ज कराने का निर्णय लिया, और विस्तृत शिकायत चांपा थाना में दी।

पुलिस जांच और गवाहों के बयान

शिकायत के बाद चांपा पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की। किसान राजकुमार शर्मा, उनकी पत्नी और मां के बयान लिए गए। जिला सहकारी बैंक के 5 कर्मचारियों सहित अन्य गवाहों के भी बयान दर्ज किए गए। बैंक खातों, चेक और ट्रांजेक्शन की दस्तावेजी जांच की गई। सभी सबूतों और बयानों के आधार पर पुलिस ने विधायक बालेश्वर साहू और गौतम राठौर दोनों के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध किया। पुलिस का कहना है कि मामले में अभी और वित्तीय लेनदेन की जांच जारी है।

छत्तीसगढ़ में मानसून की विदाई में एक सप्ताह की देरी

20 अक्टूबर तक बरसेगा पानी

रायपुर। देश के कई हिस्सों से मानसून की विदाई शुरू हो चुकी है, लेकिन छत्तीसगढ़ में इस बार मानसून एक सप्ताह देरी से लौटेगा। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में 20 अक्टूबर तक बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है। बीते पांच वर्षों के आंकड़ों के मुताबिक, सामान्य तौर पर मानसून 10 से 12 अक्टूबर के बीच विदा हो जाता है, लेकिन इस बार इसकी वापसी 20 अक्टूबर के आसपास मानी जा रही है। मौसम विभाग का कहना है कि इस देरी की वजह से मौसम का मिजाज आने वाले दिनों में भी बदला-बदला और नमी से भरा रहेगा।

15 अक्टूबर से नॉर्थ-ईस्ट मानसून होगा सक्रिय

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, 15 अक्टूबर के बाद उत्तर-पूर्व (North-East) मानसून सक्रिय होगा। इसके साथ ही दक्षिण-पश्चिम मानसून की धीरे-धीरे वापसी शुरू होगी। बारिश की बढ़ी हुई यह अवधि धान की फसलों के लिए राहतदायक मानी जा रही है। खेतों में नमी बनी रहने से धान की बालियां अच्छी तरह पकेंगी, जिससे उत्पादन में बढ़ोतरी की संभावना है। हालांकि, लगातार बारिश से कटाई का समय कुछ आगे बढ़ सकता है, जिससे किसानों को फसल सुखाने में परेशानी आ सकती है।

समय से पहले आया था मानसून

इस वर्ष छत्तीसगढ़ में 28 मई को बस्तर से मानसून की दस्तक हुई थी, जो सामान्य तारीख से कुछ दिन पहले था। देश के बाकी हिस्सों की तुलना में यहां मानसून की सक्रियता लंबे समय तक बनी रही। मौसम विज्ञान केंद्र रायपुर के अनुसार, राज्य से मानसून की विदाई आम तौर पर अक्टूबर के दूसरे सप्ताह तक पूरी हो जाती है, लेकिन इस बार विदाई का चरण धीमा रहेगा। इस दौरान कई जिलों—दंतेवाड़ा, बस्तर, कोण्डागांव, महासमुंद, रायपुर, दुर्ग और बिलासपुर—में अक्टूबर के मध्य तक हल्की से मध्यम वर्षा के दौर चलते रहेंगे।

बंगाल की खाड़ी में सक्रिय सिस्टम से फिर बारिश की संभावना

मौसम विभाग ने बताया कि पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी पर एक निम्न दबाव क्षेत्र बना हुआ है। यह सिस्टम ऊपरी हवा के चक्रवाती परिसंचरण के साथ सक्रिय है और अगले 12 घंटे में अवदाब बनकर 3 अक्टूबर की सुबह दक्षिण ओडिशा–उत्तर आंध्र तट पार कर सकता है। इसके प्रभाव से 2 अक्टूबर को प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना। दक्षिण छत्तीसगढ़ (जगदलपुर, दंतेवाड़ा, बीजापुर, सुकमा) में कहीं-कहीं भारी बारिश और वज्रपात की चेतावनी है।

संपादकीय

● सुकांत राजपूत

वरिष्ठता की अनदेखी

जनसंघ के वक्त से छत्तीसगढ़ में पार्टी के लिए दरियां बिछाने से लेकर उठाने तक की महती जिम्मेदारी निभाने वाले वयोवृद्ध लेकिन पार्टी के सबसे क्रांतिकारी युवा विचारधारा वाले नेता ननकी राम को क्यों नजरअंदाज किया जा रहा है ? चौंकाने वाला तथ्य यह कि डॉ रमन सिंह के तात्कालीन मुख्यमंत्री कार्यकाल के समय से बेफिक्र, बेबाक और बगावती तेवर वाला ननकी राम का अंदाज़ अब आदिवासी मुख्यमंत्री के वक्त ज्यादा तल्ख़ हो गया है। वह भी ऐसे समय जब केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह प्रदेश प्रवास पर हैं। पार्टी मुख्यालय से लेकर अब दिल्ली तक उनको नजरबंद करने से लेकर नज़रअंदाज़ किये जाने तक की चर्चा है। पूर्व गृहमंत्री और प्रभावी आदिवासी नेता का तमगा हासिल ननकी 80 पार की उम्र में भी बगावत, अदावत नहीं बलकि अपने सदावात से एक बार फिर संगठन को हतप्रभ कर दिए हैं।

छत्तीसगढ़ के पहले हॉउस अरेस्ट पार्टी लीडर बन चुके वरिष्ठ भाजपा विधायक ननकी राम कंवर के नजरबंदी के इस आदेश को देने वाले की चर्चा लाजमी है। शाह के स्वागत में समर्पित सुशासन केबिनेट के किस नेता ने वरिष्ठ नेता को हॉउस अरेस्ट करने का फरमान दिया यह पता लगाना बाकि है। सवाल उठने लगा है कि पूर्व गृहमंत्री और हमेशा भ्रष्टाचार के खिलाफ पार्टी से अलग-थलग चलने वाले ननकी की एक कलेक्टर को हटाने के लिए अपनी ही सरकार में इतनी कवायद क्यों करनी पद रही है। छत्तीसगढ़ राज्य लोक सेवा आयोग परीक्षा में घोटाला, कनकी घोटाला, पार्टी में वरिष्ठों की अनदेखी से लेकर पीएमओ दफ्तर से लेकर सीबीआई तक में कई बड़े मुद्दे उठाने वाला ही अगर हॉउस अरेस्ट किया जायेगा तो भद्द किसकी पिटेगी?

कोरबा कलेक्टर पर गंभीर आरोप की जांच और उसे हटाने की नाम मात्र मांग को उनकी ही सरकार में अनसुनी करके नौबत यहां तक पहुंचाने वाला आखिर कौन है? किसने उन्हें हॉउस अरेस्ट किया? क्यों मोहलत देने के बाद भी ननकी की मांग पूरी नहीं की गई? क्यों और कौन उन्हें फिर एक बार नजरबंद से लेकर नजरअंदाज कर रहा? ऐसे कई यक्ष प्रश्न सुबाई सियासत में और पार्टी दफ्तर में उठने लगे हैं।

सुशील भोले

कोंदा-भैरा के गोठ

-परोसी राज मध्यप्रदेश अउ राजस्थान ले बड़ा चिंताजनक खबर आय हे जी भैरा.. बताथें के उहाँ कफ सिरप के पीए ले अभी तक 10 नान्हे लइका मन सरग सिधार दिन.

-वाह भई.. सर्दी खाँसी म पियाथें तइसने कफ सिरप पीए ले जी कोंदा?

-हव.. बड़ा करलई हे संगी.. सबले बड़का बात ए आय के लइका के सियान मन अपन मनमर्जी ले नहीं, भलुक डॉक्टर के दे सिरप ल पियाय रिहिन हें, जेकर ले उँकर किडनी फेल होय के बात बताए गे हे.

-दवा माफिया मन पूरा डकैत होगे हें.. नकली दवई के व्यापार करत हें..तेकरे परिणाम आय लागथे संगी.

-हव.. चारों मुड़ा नकली-चकली के व्यापार चलत हे.. अभी महूँ ल कफ-खाँसी ह चिमोट डारे रिहिसे त डॉक्टर जगा ले कई किसम के दवई खाएँव फेर चिटको असर नइ होइस.. बपरा डॉक्टर ह सिरप अउ दवई ल बदल-बदल के देवय तभो कुछू नइ होइस.. कतकों झन एला कोरोना के नवा वेरिएंट ए काहँय त अउ डरभुतहा बानी के जनावय.

-त बने कइसे होए?

-डॉक्टरी दवई म असकटा गेंव त वोला बंद कर देंव अउ अपन देसी उपाय जोंगेव.. काढ़ा बनवा-बनवा के संझा बिहनिया पिएँव त जाके तोर संग हेलमेल गोठिया पावत हौं अउ पेट भर जेवन कर पावत हौं.

विवाह की स्क्रिप्ट बदल गई है?

एन. रघुरामन

आपने किसी गौरवान्वित गृहिणी को शायद अपने बच्चे से यह कहते सुना होगा कि 'इस घर की एक–एक कील और हर छोटी-बड़ी चीज तुम्हारे पापा और मैंने बनाई है। वो आगे कहती हैं 'हमने अपनी जिंदगी उस छोटे-से धन से शुरू की थी, जो हमें शादी में रिश्तेदारों और दोस्तों से उपहार के तौर पर मिला था। आज तुम देख रहे हो कि स्वाभिमान के साथ हम इन चीजों के मालिक हैं। वास्तव में वर्षों तक हमने इन सभी चीजों को जुटाने के लिए कड़ी मेहनत की है।' यदि आप बेबी बूमर हैं (1964 से पहले जन्मे) तो आपने या आपके जीवनसाथी ने कई बार गर्व के साथ यह बात बच्चों से कही होगी। ऐसा इसलिए है, क्योंकि सदियों से विवाह का संस्थान रोमांटिक से ज्यादा एक आर्थिक अनुबंध के तौर पर कार्य करता रहा है– पति–पत्नी, दोनों एक-दूसरे से वित्तीय सफलता और स्थिरता हासिल करने लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने का वादा करते थे। लेकिन पिछले दो वर्षों में, खासकर 2025 में शादी की स्क्रिप्ट बदल रही है।

वित्तीय सुरक्षा अब शादी के बाद हासिल करने वाला लक्ष्य नहीं रहा, बल्कि कइयों के लिए शादी से पहले की जरूरत बन गई है। क्योंकि शादी लायक उम्र के युवा समाज को संदेश देना चाहते हैं कि वे अपने जीवन की अधिक सुरक्षित अवस्था में पहुंच गए हैं और अब एक जीवनसाथी तलाश सकते हैं। युवाओं की मानसिकता में यह बदलाव ही एक बड़ा कारण है, जिससे शादी की उम्र बढ़ रही है। हाल के विवाहों में पुरुषों के लिए अब अनुमानित औसत आयु लगभग 30 वर्ष और महिलाओं के लिए 28 वर्ष देखी गई है। कुछ विवाह तो 35 वर्ष के पुरुषों और 32 वर्ष की महिलाओं के बीच भी हो रहे हैं। जब विदेशी विश्वविद्यालयों से एमबीए और पीएचडी करने वाले एक-दूसरे से शादी करने का फैसला करते हैं तो उन्हें अपने विवाह का एक व्यापक दृष्टिकोण मिलता है, जो शादी के बाद के उनके जीवन को लेकर मानकों को और बढ़ा देता है।

यही कारण है कि दो साल पहले की औसत आयु, जो पुरुषों के लिए 28 और महिलाओं के लिए 26 थी, अब लागू नहीं होती। हां, कुछ हद तक डेटिंग के बारे में पारंपरिक सोच जरूर नहीं बदली है। वे एक-दूसरे के प्रति आकर्षित तो होते हैं, लेकिन पहली मुलाकात में ही वे पैसे और अपनी वित्तीय स्थिति पर बात करने से नहीं झिझकते। माता-पिता की संपत्ति एक और प्रमुख विषय है, जिस पर वे बात करते हैं, क्योंकि इससे उन्हें यह अंदाजा मिलता है कि अगर वे शादी का फैसला करते हैं तो कितनी जल्दी वित्तीय स्थिरता हासिल कर सकते हैं। युवा महिलाओं के लिए ऐसी पदोन्नति पाना अधिक महत्वपूर्ण है, जो उन दोनों को साझा तौर पर एक घर खरीदने के लिए उचित ऋण लेने के काबिल बनाए। पुरुष घर के डाउन पेमेंट के लिए बचत करते हैं या शेयर बाजार में अपनी जानकारी का प्रदर्शन करते हैं। चूंकि होम लोन्स 25 वर्षों से भी अधिक समय तक चलते हैं तो उनका नजरिया स्पष्ट होता है कि इसकी किस्तों का भुगतान किसी एक ही नौकरी से ही हो जाना चाहिए। कॉर्नेल विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र के प्रोफेसर बेंजामिन गोल्डमैन ने अपने शोध में पाया कि महिलाएं अन्य कॉलेज स्नातकों से कम, बल्कि ज्यादा कमाई वाले पुरुषों से शादी अधिक कर रही हैं– भले वो कॉलेज एजुकेटेड हो या नहीं। इससे कम शिक्षित महिलाओं के लिए विकल्प बहुत कम रह जाते हैं।

ऐसा इसलिए है, क्योंकि दुनिया भर में महिलाओं की सापेक्ष आर्थिक स्थिति सुधरी है, जबकि कई पुरुष संघर्ष कर रहे हैं। कार्यस्थलों पर अधिक शिक्षित महिलाओं के आने से परिवार में 'मुख्य कमाने वाले का दर्जा' अब डगमगाने लगा है। हालांकि, अभी यह दर्जा पुरुषों के हाथ से पूरी तरह फिसला नहीं है। फंडा यह है कि बेटे–बेटियों पर जीवन में जल्द 'सेटल' होने का दबाव मत बनाइए। उनके पास विवाह की अलग स्क्रिप्ट है। उनसे पूछिए कि हम घर बसाने में उनकी मदद कैसे कर सकते हैं। हो सकता है कि इससे वे अपनी स्क्रिप्ट को फिर से लिखें, आर्थिक डर को थोड़ा हटाए और भावनाओं के लिए जगह बनाएं।

इन 6 तरीकों से जीतें, जेन-जी का दिल

चेतन भगत

एक अन्यथा उनींदे-से पहाड़ी देश में हुए विद्रोह ने दुनिया को सबसे शक्तिशाली सामाजिक समूह के बारे में सोचने को मजबूर कर दिया। यह समूह है- जेन-जी। नेपाल में सरकार का तख्ता पलट करने वाले हालिया प्रदर्शन इसलिए हुए थे, क्योंकि युवा पीढ़ी ने आंदोलन की बागडोर सम्भाल ली थी। और वह भी इसलिए कि सरकार ने उनसे उनका इंटरनेट छीन लिया था। एक जमान था, जब फावड़ा-कुदाल लेकर आते किसानों से राजनेता खौफ खाते थे। लेकिन अब उन्हें रिंग लाइट्स लेकर आए युवाओं से डरना पड़ेगा। पहला सबक ये है कि युवाओं से उनका इंटरनेट कभी न छीनें। भारत में भी तभी से विशेषज्ञ यह समझने की कोशिश में हैं कि हमारे अपने देश के जेन-जी आखिर क्या कर रहे हैं, और आगे क्या करेंगे। वे खुश हैं या उनमें ऐसी कोई सामूहिक निराशा है, जिसके बारे में हमें पता नहीं है। 1997 और 2012 के बीच जन्मे युवाओं को जेन-जी माना जाता है। आज की बात करें तो ये 13 से 28 वर्ष के युवा हैं। फैसले लेने की हैसियत को लेकर अकसर उन्हें गंभीरता से नहीं लिया जाता, फिर भी ब्रांड्स, एंटरटेनर्स, मीडिया के लोग, शिक्षक, राजनेता- सभी उन्हें लुभाने की कोशिश में रहते हैं। राहुल गांधी का जेन-जी तक सीधे पहुंच बनाने का हाई प्रोफाइल प्रयास सबसे नया है। भारत की जनसांख्यिकी में जेन-जी ना केवल बड़ी संख्या में हैं, बल्कि डिजिटली-कनेक्टेड भी हैं। वे हमेशा इंस्टाग्राम, रेडिट, डिस्कोर्ड, एक्स पर आपस में बातचीत करते रहते हैं और बड़े बदलाव लाने में सक्षम हैं। अलबत्ता, ब्रांड्स या राजनेताओं के लिए जेन-जी का दिल जीतना आसान नहीं। कइयों ने ऐसी कोशिशें की, लेकिन विफल रहे। कुछ ने तो जेन-जी का गुस्सा तक मोल ले लिया। और जेन-जी का गुस्सा बहुत भारी पड़ता है। वे आपके मीम्स बनाएंगे, आपको कैंसल करेंगे, आपके बिजनेस मॉडल को नष्ट कर देंगे, चुनाव हरा देंगे, फिल्म फ्लॉप करेंगे और जैसा कि नेपाल में हुआ- सरकार को उखाड़ फेंकेंगे। तो मान लीजिए कि जेन-जी कोड का कोई 'क्रैक' नहीं है। फिर भी कोई ऐसा करना चाहे तो उसके लिए ये छह गाइडलाइन्स हैं।

1. उनकी बुद्धिमत्ता का सम्मान करें : जब आप जेन-जी को इमोजी के जरिए बातें करते देखते हैं, तो उन्हें जज करना मुश्किल है। या तब जब वे घंटों रील्स देखते हैं, या किसी कोरियाई शो या लाबुबु टॉय के लिए दीवाने हो जाते हैं। लेकिन वे स्मार्ट हैं। वे गूगल के साथ बड़े हुए हैं और अब तो उनके पास चैटजीपीटी भी है। वे समस्या को जल्द हल करने पर दिमाग चलाते हैं। वे ट्रिप अरेंज कर सकते हैं। सामान की डिलीवरी करवा सकते हैं। यह पता लगा सकते हैं कि कौन उन्हें झूठे और भ्रामक डेटा से बहकाने की कोशिश कर रहा है। इस सबके लिए वे इंटरनेट का उपयोग करते हैं।

2. वास्तविक रहें : जाने कितने ब्रांड्स इन युवाओं की अपेक्षाओं पर खरा उतरने की जी तोड़ मेहनत की है। लेकिन जेन-जी को लेकर कोई समझ नहीं होने से वे उनसे कनेक्ट होने के लिए हाथ-पैर मारते रह गए। राजनेताओं को भी जेन-जी के प्रति कोरे दिखावे और खोखले सिम्बॉलिज्म से सावधान रहना चाहिए। महज युवाओं जैसे कपड़े पहनने, स्लैंग बोलने और 'मुझे युवा लोग पसंद हैं' कहने भर से उनका दिल नहीं जीता जा सकता है। वास्तव में जो चीज काम आएगी, वह है वास्तविकता। सच्ची वास्तविकता, जिसमें आप अपनी ताकत के साथ अपनी सीमाओं और खामियों को भी बताने को तैयार हों।

3. उनसे बातें करें, ज्ञान ना दें : पुरानी पीढ़ी के लोगों को उपदेश देने की आदत होती है। लेकिन जैसे ही जेन-जी को लगता है कि यह एकतरफा भाषण है, वे ध्यान देना बंद कर देते हैं। यदि आप उनसे जुड़ना चाहते हैं, तो ज्ञान ना बांटें।

4. प्रोग्रेसिव बनें : अधिकतर उम्रदराज भारतीय ऐसे रूढ़िवादी मूल्यों में जकड़े हैं, जो जेन-जी के लिए मायने नहीं रखते। लेकिन जेन-जी का अपना वैल्यू-सिस्टम है, जो अधिक समावेशी और भविष्योन्मुखी है। रूढ़िवादी होकर आप उनका दिल नहीं जीत सकते।

5. जेन-जी की भाषा बोलें : यह हिंदी, अंग्रेजी या कोई स्थानीय भाषा नहीं- यह डिजिटल भाषा है। यदि आप जेन-जी से कनेक्ट होना चाहते हैं तो आपको यह भाषा आना जरूरी है। अगर आप यह नहीं बोल सकते तो फिर जेन-जी को भूल जाइए।

6. ह्यूमर का उपयोग करें : जेन-जी को मीम्स, व्यंग्य और हास्य पसंद है। यदि आप खुद पर हंस सकते हैं, तो वे आपको पसंद करेंगे। लेकिन यदि आप उन्हें डराने, नियंत्रित करने या खारिज करने की कोशिश करते हैं, तो वे आपको बेतहाशा रोस्ट करने से नहीं चूकेंगे।

जेन-जी आज दुनिया की सबसे ताकतवर सामाजिक और राजनीतिक शक्ति है। उनका दिल जीतना आसान तो नहीं, लेकिन नामुमकिन भी नहीं है। थोड़ा–सा सम्मान, सच्ची केयर और वास्तविकता बहुत कारगर साबित हो सकती है।

साप्ताहिक शहर सत्ता

दार्जिलिंग में बारिश से भूस्खलन, 17 की मौत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण शनिवार (4 अक्टूबर, 2025) को बड़े पैमाने पर भूस्खलन की घटनाएं सामने आई हैं, इसमें अब तक कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई है. दार्जिलिंग में भूस्खलन ने कई घरों को मलबे में बदल दिया है, प्रमुख सड़कों को नुकसान पहुंचाया है. वहीं, अधिकारियों ने यह भी बताया है कि कई दुर्गम गांवों से संपर्क पूरी तरह से कट गया है.

अधिकारियों ने कहा कि मृतकों की संख्या में इजाफा हो सकता है, क्योंकि अभी भी कई इलाकों में खोज और बचाव जारी है. न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, उत्तर बंगाल विकास मंत्री उदयन गुहा ने इस स्थिति को चिंताजनक बताया. उन्होंने कहा कि स्थानीय अधिकारियों की मिली जानकारी के मुताबिक अभी तक 17 लोगों की मौत हुई है. वहीं, AFP की रिपोर्ट की मुताबिक, 20 लोगों की मौत हो चुकी है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरा दुख जताते हुए कहा कि दार्जिलिंग और आसपास के इलाकों की स्थिति पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है. प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता दी जाएगी.

चल रहा बचाव अभियान

दार्जिलिंग में आई इस भयानक आपदा से राहत और बचाव के लिए जिला प्रशासन, पुलिस और आपदा प्रबंधन की टीमों की ओर से अभियान चलाए जा रहे हैं, जबकि एनडीआरएफ (NDRF) को सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में से एक मिरिक झील के इलाके में राहत और बचाव के लिए तैनात किया गया है. NDRF और जिला प्रशासन के मुताबिक, अब तक 9 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि 2 लोग अभी भी लापता हैं. राज्य सरकार के मंत्री ने शनिवार (4 अक्टूबर, 2025) को दोपहर 2 बजे तक मृतकों की संख्या 17 बताई. भूस्खलन के कारण दार्जिलिंग के सर्साली, जसबीरगांव, मिरिक बस्ती, धर गांव (मेची) और मिरिक झील इलाके से लोगों की मौत दर्ज की गई है. अधिकारियों के मुताबिक, धर गांव में मलबे से चार लोगों को जिंदा निकाला गया है, जहां कई घर भूस्खलन में बह चुके हैं, बचाव दल के सदस्य मुश्किल भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद राहत कार्य में जुटे हैं. भूस्खलन के कारण मिरिक-सुखियापोखरी सड़क समेत कई पहाड़ी रास्तों पर वाहनों का आवाजाही ठप हो गई है, जबकि ऊंचाई वाले इलाकों से संपर्क टूट गया है. कई गांव पूरी तरह से अलग-थलग पड़ गए हैं. मंत्री उदयन गुहा ने कहा कि स्थिति बेहद चिंताजनक है. हमारे पास जो रिपोर्ट है, उसके मुताबिक मिरिक में 11 और दार्जिलिंग में 6 लोगों की मौत हुई है. हालांकि, संख्या में और इजाफा हो सकता है.एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने पीटीआई से कहा कि लगातार बारिश से राहत और बचाव कार्य में परेशानियां सामने आ रही है।

सोनम वांगचुक का जेल से पहला संदेश, लेह हिंसा को लेकर रखी डिमांड

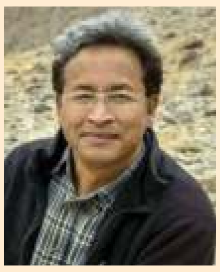

लद्दाख के प्रसिद्ध जलवायु कार्यकर्ता और शिक्षाविद् सोनम वांगचुक ने शनिवार (4 अक्टूबर, 2025) को जोधपुर सेंट्रल जेल से पहली बार संदेश भेजा है. एनएसए के तहत गिरफ्तार किए गए वांगचुक ने अपने बड़े भाई त्सेतन दोरजे ले और वकील मुस्तफा हाजी के जरिए पैगाम दिया है. वांगचुक ने अपने संदेश में कहा कि मैं शारीरिक और मानसिक रूप से पूरी तरह ठीक हूं. सभी की चिंताओं और प्रार्थनाओं के लिए दिल से धन्यवाद देता हूं. उन्होंने यह भी कहा कि लेह हिंसा में मारे गए चार लोगों के परिवारों के प्रति उनकी संवेदनाएं हैं और उन्होंने स्वतंत्र न्यायिक जांच की मांग की है. जब तक जांच पूरी नहीं होती मैं जेल में रहने को तैयार हूं. छठी अनुसूची और राज्य के दर्जे की संवैधानिक मांग सही है. वांगचुक ने अपने संदेश में स्पष्ट किया कि वह लद्दाख के लोगों की संवैधानिक मांगों के साथ खड़े हैं. उन्होंने कहा कि मैं छठी अनुसूची और राज्य का दर्जा पाने की हमारी वास्तविक संवैधानिक मांग में कारगिल डेमोक्रेटिक एलायंस (KDA) और लद्दाख के लोगों के साथ दृढ़ता से खड़ा हूं, जो भी कदम लद्दाख के सर्वोच्च निकाय लेंगे. मैं तहे दिल से उनका समर्थन करूंगा. सोनम वांगचुक, जो लंबे समय से लद्दाख में पर्यावरणीय संतुलन, जल संरक्षण और स्थानीय स्वशासन के मुद्दों पर सक्रिय रहे हैं।

लेह हिंसा और NSA के तहत हिरासत

26 सितंबर 2025 को लेह में राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची की मांग को लेकर प्रदर्शन हुआ था. इस दौरान हुई हिंसा में चार लोगों की मौत और 90 से अधिक घायल हुए थे. इसके बाद प्रशासन ने सोनम वांगचुक को 26 सितंबर को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (NSA) के तहत हिरासत में ले लिया और उन्हें राजस्थान की जोधपुर सेंट्रल जेल भेज दिया गया।

ट्रंप का आदेश नहीं माने नेतन्याहू! गाजा पर बमबारी, 6 लोगों की मौत

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू को बमबारी रोकने का आदेश दिया था और कहा था कि हमास शांति के लिए तैयार है. इसके अलावा बंधकों को रिहा करने और युद्ध समाप्त करने की अमेरिकी योजना की कुछ अन्य शर्तों को स्वीकार करने पर भी सहमत है. हालांकि, इस आदेश के बावजूद इजरायल रुकने का नाम नहीं ले रहा है. इस बीच गाजा के अधिकारियों ने बताया कि इजरायल ने शनिवार (4 अक्टूबर 2025) को गाजा पर हमला किया.

इजरायली गोलाबारी में गाजा पट्टी में छह लोगों की मौत हो गई. चिकित्साकर्मियों और स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि एक हमले में गाजा शहर के एक घर में चार लोग मारे गए, जबकि दूसरे हमले में दक्षिण में खान यूनिस में दो अन्य लोग मारे गए।

राष्ट्रपति ट्रंप ने कुछ दिन पहले अपनी 20-सूत्रीय गाजा शांति योजना प्रस्तुत की थी, जिसमें हमास को रविवार (5 अक्टूबर 2025) तक इसे स्वीकार करने या गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी गई थी. ट्रंप का दावा है कि यह योजना बंधकों की रिहाई और युद्ध समाप्ति के लिए एक व्यावहारिक रास्ता खोल सकती है. ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि इजरायल को गाजा पर बमबारी तुरंत रोकनी चाहिए ताकि हम बंधकों को सुरक्षित और जल्दी से बाहर निकाल सकें. यह सिर्फ गाजा के बारे में नहीं है. यह मध्य पूर्व में लंबे समय से चाही जा रही स्थायी शांति के बारे में है।

भारत-UK रिश्तों को मिलेगी नई दिशा... कीर स्टार्मर की PM मोदी से अहम बैठक

नई दिल्ली। अगले सप्ताह ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर भारत का दौरा करेंगे. विदेश मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि यह उनकी भारत की पहली आधिकारिक यात्रा होगी, जिसमें वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा करेंगे और व्यापार व आर्थिक संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा करेंगे. कीर स्टार्मर 8 से 9 अक्टूबर तक भारत में रहेंगे. यह यात्रा वैश्विक मंच पर अमेरिकी प्रशासन की नीतियों के कारण उत्पन्न अस्थिर परिस्थितियों के बीच हो रही है. दोनों प्रधानमंत्रियों की 9 अक्टूबर को मुंबई में बैठक होगी, जिसमें द्विपक्षीय व्यापक रणनीतिक साझेदारी (Bilateral Comprehensive Strategic Partnership) की प्रगति का आकलन किया जाएगा. यह बैठक "Vision 2035" के अनुरूप होगी, जो 10 वर्षीय योजनाओं और पहलों का समयबद्ध रोडमैप है.

इन मुद्दों पर करेंगे बात

Vision 2035 में प्रमुख क्षेत्रों को शामिल किया गया है, जिनमें व्यापार और निवेश, रक्षा और सुरक्षा, तकनीक और नवाचार, जलवायु और ऊर्जा, स्वास्थ्य और शिक्षा, तथा जन जन के बीच संबंध शामिल हैं. मोदी और स्टार्मर इस दौरान व्यवसायियों और उद्योग नेताओं के साथ भी मुलाकात करेंगे और Comprehensive Economic and Trade Agreement (CETA) द्वारा प्रस्तुत अवसरों पर चर्चा करेंगे. मंत्रालय के अनुसार, CETA भविष्य की भारत UK आर्थिक साझेदारी का केंद्रीय स्तंभ है. इसके अलावा दोनों प्रधानमंत्री क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा करेंगे।

भगोड़े नीरव मोदी ने प्रत्यर्पण से बचने खेला दांव

नई दिल्ली। लंदन की एक अदालत भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी की उस याचिका पर 23 नवंबर को सुनवाई करेगी, जिसमें उसके प्रत्यर्पण के मुकदमे को फिर से खोले जाने का अनुरोध किया गया है. नीरव मोदी ने इस आधार पर याचिका दायर की है कि अगर उसे भारत वापस लाया गया तो विभिन्न एजेंसी उससे पूछताछ कर सकती हैं. एजेंसी उसके इस दावे का यह आश्वासन देकर खंडन कर सकती हैं कि उससे पूछताछ नहीं की जाएगी. इस घटनाक्रम के बारे में जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने बताया कि नीरव मोदी सुप्रीम कोर्ट के स्तर तक उपलब्ध अपनी सभी कानूनी अपीलों का इस्तेमाल कर चुका है और इस बार उसने अपने प्रत्यर्पण के मुकदमे को फिर से खोलने के लिए 'वेस्टमिंस्टर' कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. उसने यह दलील दी है कि यदि उसे भारत प्रत्यर्पित किया गया तो विभिन्न एजेंसी उससे पूछताछ करेंगी, जिसके परिणामस्वरूप उसे यातनाएं दी जा सकती हैं. मामले की जांच कर रहीं एजेंसी अदालत के समक्ष अपना पुराना आश्वासन दोहरा सकती है कि प्रत्यर्पित किए जाने पर नीरव मोदी पर भारतीय कानूनों के अनुसार मुकदमा चलाया जाएगा

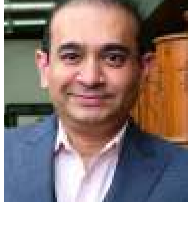

छात्रों को बनाएंगे विकसित भारत के निर्माता

अब नई भूमिका में दिखेंगे शुभांशु शुक्ला

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) तक पहुंचने वाले भारतीय ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को केंद्र सरकार के 'विकसित भारत बिल्डाथॉन' का ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। यह कार्यक्रम देशभर के स्कूलों में नवाचार और वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने के लिए शुरू किया गया है।

देश का सबसे बड़ा स्कूल हैकाथॉन

'विकसित भारत बिल्डाथॉन' शिक्षा मंत्रालय और अटल इनोवेशन मिशन के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। यह देश का अब तक का सबसे बड़ा स्कूल हैकाथॉन है, जिसमें कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों को जोड़ा जा रहा है। इस पहल के तहत 1.5 लाख स्कूलों के एक करोड़ से अधिक छात्र मिलकर नए विचारों, डिजाइन और प्रोटोटाइप तैयार करेंगे।

चार मुख्य थीम पर काम करेंगे छात्र

विद्यार्थियों को चार राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर प्रोजेक्ट बनाने होंगे। इसमें आत्मनिर्भर भारत-स्वावलंबी तकनीक और समाधान विकसित करना, स्वदेशी- देशी विचारों और नवाचारों को बढ़ावा देना। वोकल फॉर लोकल- स्थानीय उत्पादों, कला और संसाधनों को प्रोत्साहन देना। समृद्धि - सतत विकास और समृद्धि के मार्ग बनाना शामिल है।

क्या है कार्यक्रम की रूपरेखा?

यह बिल्डाथॉन 23 सितंबर को लॉन्च हुआ था। इसमें पंजीकरण की अंतिम तिथि- 6 अक्तूबर, वहीं इसका लाइव बिल्डाथॉन 13 अक्तूबर को होगा। वहीं विजेताओं की घोषणा दिसंबर महीने में की जाएगी इस दौरान छात्र टीमों में मिलकर अपने विचारों को मूर्त रूप देंगे और वास्तविक जीवन की समस्याओं के समाधान प्रस्तुत करेंगे।

शुभांशु शुक्ला की उपलब्धि

ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला, 39 वर्षीय भारतीय वायुसेना अधिकारी और टेस्ट पायलट हैं। उन्होंने हाल ही में एक्सिओम-4 मिशन के तहत अपनी पहली अंतरिक्ष यात्रा पूरी की। यह मिशन इसरो, नासा और एक्सिओम स्पेस के सहयोग से संपन्न हुआ। इस यात्रा के साथ वे आईएसएस तक पहुंचने वाले पहले भारतीय और राकेश शर्मा (1984) के बाद अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय बने।

महिला वर्ल्ड कप में भारत की फतह का परचम

महिला वर्ल्ड कप 2025 में भारत ने पाकिस्तान को 88 रनों से हरा दिया है. इस जीत के साथ टीम इंडिया ने वनडे क्रिकेट में पाकिस्तान के खिलाफ अपने अजेय रिकॉर्ड को बरकरार रखा है. भारत-पाकिस्तान 12 बार वनडे मैच खेले हैं, जिनमें हर बार भारतीय टीम विजयी रही है. कोलंबो में खेले गए वर्ल्ड कप के मैच में टीम इंडिया ने पहले खेलते हुए 247 रन बनाए थे, जवाब में पूरी पाकिस्तान टीम सिर्फ 159 रनों पर ऑलआउट हो गई. कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेले गए इस वर्ल्ड कप मैच में भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करने उतरी. स्लो पिच पर कोई भी भारतीय बल्लेबाज पचासा नहीं जड़ पाया. भारत के लिए हरलीन देओल ने सबसे ज्यादा 46 रन बनाए. प्रतिका रावल ने 31 और जेमिमा रोड्रीगेज ने 32 रन बनाए, वहीं अंतिम ओवरों में रिचा घोष ने 20 गेंद में 35 रनों की कैमियो पारी खेल भारतीय टीम को 247 के स्कोर तक पहुंचाया.

पाकिस्तान को बुरी तरह रौंदा

जवाब में पाकिस्तान टीम का हाल इतना बुरा रहा कि उसने 20 रन बनाने तक दोनों सलामी बल्लेबाजों का विकेट गंवा दिया था. इस बीच सलामी बल्लेबाज मुनीबा अली का विकेट चर्चा में रहा. उन्हें थर्ड अंपायर ने 2 बार वीडियो रिप्ले देखने के बाद रन आउट करार दिया था. पहले 20 ओवरों में पाक टीम का रन रेट 3 से भी कम चल रहा था. जैसे-तैसे सिदरा अमीन और नतालिया परवेज ने 69 रनों की पार्टनरशिप करके पाकिस्तान टीम को मुश्किल परिस्थिति से उबारा. परवेज 39 रन बनाकर आउट हुईं. उसके बाद कप्तान फातिमा सना सिर्फ 2 रन बनाकर चलती बनीं. पाकिस्तान टीम ने अपने आखिरी 5 विकेट मात्र 16 रनों के भीतर गंवा दिए. सिदरा अमीन की 81 रनों की पारी पाकिस्तान को 88 रनों की बड़ी हार से नहीं बचा सकी.

12-0 का अजेय रिकॉर्ड बरकरार

भारतीय टीम ने महिला वनडे क्रिकेट इतिहास में पाकिस्तान को लगातार 12वीं बार हराया है. दोनों टीम पहली बार 2005 में किसी वनडे मैच में आमने-सामने आई थीं, तभी से टीम इंडिया प्रत्येक ODI मैच में पाकिस्तान पर हावी रही है.

रोहित शर्मा ने वनडे की कप्तानी खुद छोड़ी या उन्हें हटाया गया?

नई दिल्ली। BCCI ने शनिवार को एक बड़ा फैसला लिया. भारत को इसी साल मार्च में 2025 चैंपियंस ट्रॉफी जिताने वाले कप्तान रोहित शर्मा को कप्तानी से हटा दिया गया. उनकी जगह 26 साल के युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल को वनडे टीम की कमान सौंपी गई. इसके बाद एक बड़ा सवाल खड़ा हो गया. वो यह है कि रोहित शर्मा ने खुद वनडे टीम की कप्तानी छोड़ी है या उन्हें हटाया गया है? फिलहाल, इसे लेकर तस्वीर साफ नहीं है, लेकिन भारतीय क्रिकेट टीम के चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर के बयान से ऐसा लगता है कि रोहित से कप्तानी ले हटाया गया है. शनिवार को ही ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम इंडिया का एलान किया गया. वनडे सीरीज की टीम में रोहित शर्मा और विराट कोहली को भी शामिल किया गया है. वहीं श्रेयस अय्यर को तीन मैचों की सीरीज के लिए उपकप्तान बनाया गया है.

टीम इंडिया के चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने पुष्टि की है कि रोहित शर्मा को कप्तानी में बदलाव के बारे में बता दिया गया है, लेकिन जब यह पूछा गया कि क्या विराट और रोहित विश्व कप 2027 खेलेंगे तो उन्होंने स्पष्ट जवाब नहीं दिया. अगरकर ने कहा, "वे अभी इसी फॉर्मेट में खेल रहे हैं और हमने उन्हें चुना है. जहां तक 2027 विश्व कप का सवाल है तो मुझे नहीं लगता कि उसके बारे में आज कप्तानी में बदलाव के साथ बात करने की जरूरत है." यह पूछने पर कि रोहित शर्मा ने इस फैसले को किस तरह लिया है, उन्होंने कहा, "यह चयन समिति और रोहित के बीच की बात है." अगरकर ने साफ तौर पर कहा कि अब कुछ ही वनडे खेलने हैं. लिहाजा तीन अलग-अलग कप्तान रखना असंभव है, क्योंकि इससे रणनीति बनाने में दिक्कत होती है. उन्होंने कहा, यह व्यवहारिक तौर पर संभव नहीं है कि तीन प्रारूपों में तीन कप्तान हों. इससे रणनीति बनाना मुश्किल हो जाता है." उन्होंने आगे कहा, "एक समय पर जाकर आप अगले विश्व कप पर विचार करेंगे और यह फॉर्मेट अब बहुत कम खेला जाता है. इसलिए अगले कप्तान को देने के लिये ज्यादा मैच भी नहीं हैं. उसे खुद को तैयार करने और रणनीति बनाने के लिये समय दिया जाना जरूरी है."

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम- रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), अक्षर पटेल, केएल राहुल (विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर) और यशस्वी जयसवाल.

सोने से तेज चांदी, एक महीने में 19 परसेंट से ज्यादा उछला भाव

नई दिल्ली। सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव पर हमारी नजर बनी रहती है, लेकिन क्या आपको पता है कि सितंबर के महीने में चांदी की कीमत में 19.4 परसेंट की तेजी आई है. जबकि इसके मुकाबले सोने की कीमत महज 13 परसेंट ही बढ़ी है. सोलर और टेक्नोलॉजी सेक्टर्स से बढ़ती डिमांड और ग्लोबल सप्लाई में कमी के चलते चांदी की कीमत बढ़ी है. चांदी की कीमत 1 सितंबर के 1,26,000 रुपये प्रति किलोग्राम से 24,500 रुपये बढ़कर 30 सितंबर को 1,50,500 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई. हाल के सालों में किसी एक महीने में चांदी की कीमत में आए तेज उछाल में से यह एक है. शुक्रवार को दिल्ली में चांदी की कीमत 1,50,000 रुपये प्रति किलोग्राम के रेट पर बरकरार रही और मंगलवार को इसने 1,50,500 रुपये प्रति किलोग्राम के अपने रिकॉर्ड हाई लेवल को छू लिया।

टोल पर कैश पेमेंट करने वालों को झटका

नई दिल्ली। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की ओर से नेशनल हाईवे पर टोल वसूलने के नियमों में बदलाव किया गया है. नए नियमों के तहत अगर किसी के पास वैलिड और चालू फास्टैग नहीं है और वो ऑनलाइन टोल भुगतान करता हैं, तो उसे 1.25 गुना शुल्क देना होगा. इससे पहले यह राशि दोगुनी थी. मंत्रालय की ओर से जानकारी दी गई है कि नए नियम 15 नवंबर 2025 से पूरे देश में लागू होंगे. इस बदलाव के पीछे सरकार का मकसद नकद लेनदेन को कम करना और डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देना है.

15 नवंबर 2025 से नेशनल हाइवे पर यात्रा करते समय अगर आपके पास वैलिड और चालू फास्टैग नहीं है, तो आप ऑनलाइन पेमेंट करके पैसों की बचत कर सकते है. डिजिटल पेमेंट करने पर आपको रेगुलर टोल की तुलना में सवा गुना कम रुपए का भुगतान करना होगा. यदि आप कैश में टोल का भुगतान करते है तो आपको दोगुना राशि देनी होगी. उदाहरण के लिए, नेशनल हाइवे पर अगर किसी FASTag वाले वाहन का टोल 100 रुपए है, तो बिना FASTag वाले वाहन के लिए यह 200 रुपए की राशि तय की गई है. यानि बिना फास्टैग वाले वाहनों को दोगुना टोल देना पड़ता है. नए नियमों के तहत ऑनलाइन पेमेंट करने वालों को 15 नवंबर से 200 की जगह 125 रुपए का ही भुगतान करना होगा, जिससे 75 रुपए की बचत होगी. हालांकि कैश पेमेंट करने वालों के लिए नियमों में कोई बदलाव नहीं किया है उन्हें पहले की तरह ही फास्टैग वालों की तुलना में दोगुना भुगतान करना होगा. मंत्रालय की ओर से 4 अक्टूबर 2025 को जारी एक अधिसूचना में इस बदलाव की जानकारी दी गई. इन बदलावों से तकनीक के माध्यम से टोल कलेक्शन को बेहतर बनाया जाएगा।

IPOसे 2150 करोड़ जुटाएगी लेंसकार्ट

नईदिल्ली। आईवियर रिटेलर लेंसकार्ट के ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (DRHP) को मार्केट रेगुलेटर सेबी ने मंजूरी दे दी है. इसी के साथ अब इसके आईपीओ लाने का रास्ता भी साफ हो गया है. मनीकंट्रोल की रिपोर्ट के मुताबिक, आईपीओ का साइज 2150 करोड़ रुपये है. इसमें फ्रेश इश्यू के साथ-साथ ऑफर फॉर सेल (OFS) दोनों शामिल हैं, जिसमें कंपनी के मौजूदा निवेशक और फाउंडर 13.23 करोड़ रुपये के शेयर बेचेंगे. आईपीओ के जरिए लेंसकार्ट के को-फाउंडर पीयूष बंसल, नेहा बंसल, अमित चौधरी और सुमीत कपाही कंपनी में अपनी हिस्सेदारी बेचेंगे. इसके अलावा, सॉफ्टबैंक का एसवीएफ ।। लाइटबल्ब (केमैन) लिमिटेड, श्रोडर्स कैपिटल प्राइवेट इक्विटी एशिया मॉरीशस लिमिटेड, पीआई ऑपर्च्युनिटीज फंड-।।, मैक्रिची इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड, केदारा कैपिटल फंड ।। एलएलपी और अल्फा वेव वेंचर्स एलपी जैसे निवेशक भी OFS विंडो के तहत अपना हिस्सा बेच सकते हैं. आईपीओ में लेंसकार्ट के सीईओ व प्रमोटर पीयूष बंसल 2 करोड़ शेयर बेचेंगे.

lenskart

आज खुलेगा टाटा कैपिटल का आईपीओ

नई दिल्ली। टाटा ग्रुप की NBFC कंपनी टाटा कैपिटल का आईपीओ 6 अक्टूबर को लॉन्च हो रहा है. इसके लिए निवेशक 8 अक्टूबर तक दांव लगा सकेंगे. इस आईपीओ के जरिए कंपनी का प्लान 15512 करोड़ रुपये जुटाने का है. आईपीओ में 6,846 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए जाएंगे और 8,666 करोड़ रुपये ऑफर-फॉर-सेल के जरए जुटाए जाएंगे, जिसमें मौजूदा शेयरहोल्डर्स टाटा संस और इंटरनेशनल फाइनेंस कॉरपोरेशन 26.58 करोड़ शेयर बेचेंगे. कल से खुल रहे इस आईपीओ के लिए दांव लगाने से पहले यह जानना बहुत जरूरी है कि कंपनी की वित्तीय स्थिति कैसी है, इसके क्या फायदे हैं, कितना जोखिम है वगैरह. भारत की तीसरी सबसे बड़ी नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी ने ग्रीन फाइनेंसिंग और डिजिटल इनोवेशन को अपना आधार बनाया।

खुद RIL चेयरमैन ने किया खुलासा, सच्चाई कर देगी हैरान

वॉलेट में कितना पैसा रखकर घर से चलते हैं अंबानी?

मुंबई। रिलायंस इंडस्ट्रीज (RIL) के चेयरमैन और एमडी मुकेश अंबानी भारत के सबसे अमीर आदमी हैं. हुरून इंडिया रिच लिस्ट 2025 में मुकेश अंबानी करीब 9.55 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ सबसे आगे हैं. उनके बाद दूसरे सबसे अमीर भारतीय गौतम अडानी हैं, जिनकी संपत्ति 8.15 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है. अंबानी अपनी शान-ओ-शोकत और लग्जरी लाइफस्टाइल के लिए जाने जाते हैं, जिसके चलते वह पूरी दुनिया में मशहूर हैं.

फोर्ब्स की रिपोर्ट 2024 के मुताबिक, मुकेश अंबानी का मुंबई में स्थित घर एंटीलिया दुनिया में सबसे महंगा घर है, जिसकी कीमत करीब 2000 मिलियन अमेरिकी डॉलर यानी लगभग 16,640 करोड़ रुपये है. उनके गैराज में एक से बढ़कर एक गाड़ियां हैं. इनमें Rolls Royce, Mercedes और Ferrari जैसे कई बड़े ब्रांड्स की कारें हैं. एक रिपोर्ट के मुताबिक, गैराज में सबसे महंगी कार Rolls Royce Cullinan है. यह बुलेटप्रूफ है और इसकी कीमत करीब 17 करोड़ रुपये है. उनके पास इतना पैसा है कि अगर वह हर रोज एक लाख रुपये दान भी कर दे, तो उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ेगा. लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि दुनिया के चर्चित धनकुबेरों में से एक मुकेश अंबानी अपनी जेब में कितना कैश रखकर चलते हैं? इसका जवाब एक इंटरव्यू में खुद उन्होंने दिया था.

'पैसा मायने नहीं रखता'- मुकेश अंबानी

एक मीडिया इवेंट में मुकेश अंबानी ने कहा था कि पैसा उनके लिए कभी मायने नहीं रखता है. उनका कहना है कि एक संसाधन के रूप में पैसा कंपनी को जोखिम उठाने के काबिल बनाता है. मुकेश अंबानी कहते हैं कि वह अपनी जेब में कभी कैश या क्रेडिट कार्ड नहीं रखते. वह कहते हैं कि उनके बगल में कोई न कोई जरूर होता है, जो उनके बिलों का भुगतान करता है. शुरू से ही, चाहे स्कूल हो या कॉलेज, उन्होंने कभी पैसे नहीं लिए, न ही उनके पास अपना कोई क्रेडिट कार्ड था. उनका यह भी कहना है कि जब मीडिया या पब्लिक उन्हें किसी लेबल या उपाधि से सम्मानित करती है, तो उन्हें यह बिल्कुल पसंद नहीं आता. अंबानी की इन बातों से साफ है कि भले ही वह अकूत संपत्ति के मालिक हैं, लेकिन निजी जीवन में वह जमीन से जुड़े हुए और बेहद साधारण व्यक्तित्व के इंसान हैं, जिन्होंने अपने दम पर यह मुकाम हासिल किया है।

भाजपा ने भूपेश को बताया राहुल-प्रियंका गांधी का ATM

कांग्रेस बोली- बड़ी जिम्मेदारी मिलने पर भाजपाइयों को तकलीफ

शहर सत्ता/रायपुर। कांग्रेस ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ नेता भूपेश बघेल को सीनियर ऑब्जर्वर नियुक्त किया है। सीनियर ऑब्जर्वर नियुक्त किए जाने पर सियासत बयानबाजी तेज हो गई है। भाजपा ने भूपेश बघेल को राहुल और प्रियंका गांधी का एटीएम कार्ट बताया है। वहीं कांग्रेस का कहना है कि भूपेश बघेल को बड़ी जिम्मेदारी मिलने पर भाजपा के नेताओं को तकलीफ होती है। दरअसल, भूपेश बघेल पहले भी कई राज्यों में चुनावी पर्यवेक्षक रह चुके हैं। 2024 लोकसभा चुनाव में जब राहुल गांधी रायबरेली से चुनाव लड़े थे, तब भी भूपेश बघेल को वहां की जिम्मेदारी दी गई थी। जहां कांग्रेस ने बड़ी जीत दर्ज की। अब उन्हें बिहार जैसे राज्य में भेजा गया है। जहां जातीय समीकरण राजनीति का आधार हैं।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री रहते हुए भूपेश बघेल को हिमाचल प्रदेश, यूपी, झारखंड, असम और महाराष्ट्र के चुनावों में अहम जिम्मेदारी निभा चुके हैं। हिमाचल प्रदेश के चुनाव में कांग्रेस ने 68 में से 40 सीटों पर जीत दर्ज की थी। यूपी में कांग्रेस 403 में से महज 2 सीटें ही जीत पाई। असम में 15 साल तक सत्ता में रहने के बाद कांग्रेस को लगातार दोबारा हार का सामना करना पड़ा। झारखंड चुनाव में भी 16 सीटें जीतकर कांग्रेस तीसरे नंबर पर रही। महाराष्ट्र के चुनाव में भी कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा। ऐसे में देखना होगा कि भूपेश बघेल की रणनीति से बिहार चुनाव में पार्टी को कितना फायदा होता है।

राहुल गांधी और कांग्रेस हाईकमान की नजर में भूपेश बघेल अब एक ऐसे नेता बन गए हैं। जो हर मुश्किल चुनावी हालात में भेजे जाते हैं। रायबरेली की जीत हो या हिमाचल की रणनीति, भूपेश बघेल ने हर बार पार्टी को मजबूती दी है।

हालांकि, कांग्रेस ने लंबे समय से OBC लीडरशिप को सामने नहीं रखा था। लेकिन अब भूपेश बघेल को आगे लाकर पार्टी एक नया सामाजिक संतुलन बनाना चाहती है। इसके अलावा उनकी कार्यशैली जमीनी की मानी जाती है। कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद, लोकल नेटवर्किंग और गठबंधन सहयोगियों से तालमेल उनकी ताकत है। बिहार में कांग्रेस की स्थिति कमजोर है। वहां क्षेत्रीय दलों का दबदबा है और जातीय समीकरण काफी जटिल हैं। ऐसे में पार्टी चाहती है कि भूपेश बघेल का अनुभव यहां काम आए।

बिहार की राजनीति जातीय ध्रुवीकरण

बिहार की राजनीति लंबे समय से जातीय ध्रुवीकरण पर चल रही है। लालू प्रसाद यादव, नीतीश कुमार और अब नरेंद्र मोदी तक। कांग्रेस अब एक मजबूत OBC चेहरे के जरिए अपनी पकड़ बनाना चाहती है। ऐसे में भूपेश बघेल का OBC नेता होना कांग्रेस के लिए एक बड़ा सोशल-पॉलिटिकल कार्ड है। वे छत्तीसगढ़ में कुर्मी समुदाय से आते हैं, जो बिहार में भी एक प्रभावशाली OBC समूह है।

वार-पलटवार का दौर शुरू

भूपेश बघेल को नई जिम्मेदारी मिलने पर राजनीतिक वार-पलटवार का दौर भी शुरू हो चुका है। सांसद संतोष पांडेय ने कहा कि, भूपेश बघेल प्रियंका गांधी और राहुल गांधी के एटीएम हैं। बिहार में भी कांग्रेस का बंटाधार निश्चित है। वो जिस राज्य के प्रभारी रहे, वहां कांग्रेस हारी है। क्या बिहार जाकर वो छत्तीसगढ़ का शराब घोटाला बताएंगे या किस तरह नौजवानों को सट्टेबाजी की लत लगाने के बारे में बताएंगे। इधर, कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला का कहना है कि भूपेश बघेल कई राज्यों के प्रभारी रहे हैं। जब भी उनको बड़ी जिम्मेदारी मिलती है, तो भाजपा के नेताओं को तकलीफ होती है। भूपेश बघेल ने कांग्रेस अध्यक्ष के तौर पर 15 साल की भाजपा सरकार को हटा दिया। इस बार भी सरकारी एजेंसियों की मदद से भाजपा की सरकार आई है। धीरे-धीरे भाजपा का संघर्ष सामने आ रहा है।

बिरनपुर फसाद

देवेंद्र बोले- दो बच्चों की लड़ाई को बीजेपी ने सांप्रदायिक तनाव में बदला

अरूण साव में नैतिकता हो तो तत्काल इस्तीफा दें

शहर सत्ता/रायपुर। बिरनपुर हिंसा मामले में सीबीआई की चार्जशीट आने के बाद छत्तीसगढ़ में सियासत गरमा गई है। भिलाई नगर के विधायक देवेंद्र यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि, सीबीआई की चार्जशीट में स्पष्ट है कि बिरनपुर की घटना कोई राजनीतिक या सांप्रदायिक साजिश नहीं थी, बल्कि दो बच्चों के बीच हुए मामूली झगड़े से शुरू होकर दो परिवारों और बाद में दो समुदायों के बीच विवाद में बदल गई थी।

देवेंद्र यादव ने कहा कि सीबीआई की रिपोर्ट ने भाजपा के राजनीतिक षड्यंत्र के दावे को पूरी तरह झूठा साबित कर दिया है। सीबीआई की चार्जशीट के बाद तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष और वर्तमान उपमुख्यमंत्री अरूण साव में जरा भी नैतिकता हो तो उन्हें पद से त्याग देकर छत्तीसगढ़ की जनता से माफी मांगनी चाहिए। क्योंकि उन्होंने काफी चीख-चीख कर सांप्रदायिकता के माहौल बनाए थे। राजनैतिक षडयंत्र के आरोप कांग्रेस पर लगाए थे। उन्हें इस्तीफा देना चाहिए और जनता से माफी मांगना चाहिए।

भूपेश, गहलोत और अधीर रंजन को बिहार चुनाव की जिम्मेदारी

AICC ने दी जिम्मेदारी, असम-यूपी-महाराष्ट्र चुनाव के पर्यवेक्षक रह चुके हैं बघेल

शहर सत्ता/रायपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (AICC) ने बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर सीनियर ऑब्जर्वर की लिस्ट जारी की है। छत्तीसगढ़ के पूर्व CM भूपेश बघेल, राजस्थान के पूर्व CM अशोक गहलोत और कांग्रेस के सीनियर लीडर अधीर रंजन चौधरी को सीनियर ऑब्जर्वर नियुक्त किया है।

अधीर रंजन चौधरी पश्चिम बंगाल कांग्रेस के अध्यक्ष रह चुके हैं। इन तीनों नेताओं के अनुभव को देखते हुए कांग्रेस ने बिहार चुनाव की जिम्मेदारी सौंपी है। AICC के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने लिस्ट जारी की है। बिहार कांग्रेस ने सोशल मीडिया X पर पोस्ट कर जानकारी दी है। बता दें कि भूपेश बघेल इसके पहले हिमाचल प्रदेश, झारखंड, असम, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र चुनाव के ऑब्जर्वर रह चुके हैं। 2024 लोकसभा चुनाव में रायबरेली सीट पर जब राहुल गांधी प्रत्याशी थे, तब भी बघेल को ही उस सीट पर ऑब्जर्वर बनाया गया था। फिलहाल, वे कांग्रेस महासचिव के रूप में पंजाब के प्रदेश प्रभारी भी हैं।

41 डिस्ट्रिक्ट इलेक्शन आब्जर्वर भी नियुक्त

AICC ने इन 3 सीनियर लीडर्स के अलावा सभी जिलों के लिए 41 डिस्ट्रिक्ट इलेक्शन आब्जर्वर नियुक्त किए हैं। इनमें अविनाश पांडे, भक्त चरण दास, अजय राय, अनिल चौधरी, बी.वी. श्रीनिवास, विक्रांत भूरिया, इरफान अंसारी, रोहित चौधरी और अनिल चोपड़ा आदि शामिल हैं।

भाजपा ने छत्तीसगढ़ को 2 साल में नशे का गढ़ बना दिया : कांग्रेस

शहर सत्ता/रायपुर। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा ने 2 साल में छत्तीसगढ़ को अवैध शराब और नशे का गढ़ बना दिया है। आज प्रदेश में गली गली में अवैध शराब बिक रही है सरकारी वाहन महतारी एक्सप्रेस से शराब प्रदेश में तस्करी कर लाई जा रही है। भाजपा के राज में छत्तीसगढ़ नशे के मामले में पंजाब, गुजरात और पश्चिम बंगाल को पीछे छोड़ चुका है। बिलासपुर रायगढ़ के और क्षेत्र और रायपुर के नया राजधानी और वीआईपी रोड जैसे इलाकों में शाम ढलते ही युवा नशे की गिरफ्त में साफ देखे जा सकते है। सभी शहरों के आउटर के कैफे तो युवाओं को नशा परोसने का केंद्र बन चुके है। पुलिस इसको रोकने के बजाय सहयोगी बनी हुई है। कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस की सरकार थी तब वर्षों से चल रहे हुक्काबारो को बंद करवाया था, राज्य में सूखे नशे के कारोबार को पूरी तरह समाप्त किया गया था। भाजपा की सरकार बनने के बाद एक बार फिर से नशे का कारोबार शुरू हो गया है। सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि सरकार नशे के कारोबार पर रोक लगाने में विफल साबित हो रही है। राजधानी सहित पूरे प्रदेश में युवा नशे की गिरफ्त में जा रहे है।

1 साल से बंद था सुशासन का जनदर्शन

BJP मुख्यालय में फिर 5 मंत्री सुनेंगे समस्याएं

शहर सत्ता/रायपुर। प्रदेश भाजपा सरकार एक बार फिर अपने कार्यकर्ताओं के लिए कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में 'सहयोग केंद्र' शुरू करने जा रही है। करीब 1 साल बाद यह पहल फिर से शुरू हो रही है। सोमवार से सहयोग केंद्र का संचालन होगा, जहां पहले दिन प्रदेश के राजस्व और उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा कार्यकर्ताओं और उनके क्षेत्र के आम नागरिकों की समस्याएं सुनेंगे।

हर दिन एक मंत्री यहां मौजूद रहकर लोगों से मुलाकात करेंगे और उनकी शिकायतों के निराकरण का प्रयास करेंगे। दरअसल, प्रदेश में भाजपा सरकार बनने के बाद राष्ट्रीय सह-संगठन महामंत्री शिव प्रकाश ने कार्यकर्ताओं को महत्व देने और उनकी समस्याओं को प्राथमिकता देने की बात कही थी। इसी दिशा में पिछले साल 'सहयोग केंद्र' की शुरुआत की गई थी। इस दौरान रोजाना एक मंत्री केंद्र में बैठकर कार्यकर्ताओं से संवाद करते थे और छोटी समस्याओं का मौके पर समाधान भी किया जाता था।

इन मंत्रियों के जिम्मे जनदर्शन की सुनवाई

सोमवार को टंकराम वर्मा दोपहर 2 से 5 बजे तक समस्याएं सुनेंगे। मंगलवार को स्कूली शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, बुधवार को वन और सहकारिता मंत्री केदार कश्यप, गुरुवार को तकनीकी शिक्षा मंत्री गुरु खुशवंत साहेब और शुक्रवार को खाद्य मंत्री दयालदास बघेल कार्यकर्ताओं से मिलेंगे। पंजीयन दोपहर 1 से 2 बजे तक होगा।

एक साल से बंद था सहयोग केंद्र

साल 2024 में अगस्त तक यह केंद्र सुचारू रूप से चला, लेकिन सितंबर में भाजपा के सदस्यता अभियान शुरू होने के बाद इसे अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया। इसके बाद संगठन चुनाव, नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव जैसे व्यस्त कार्यक्रमों के चलते यह फिर से शुरू नहीं हो सका।

नवा रायपुर में अवैध विकास पर जिला प्रशासन सख्त

कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के निर्देश पर संयुक्त टीम ने ध्वस्त किया अवैध निर्माण

शहर सत्ता/रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण क्षेत्र में अवैध विकास और निर्माण के खिलाफ जिला प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। ग्राम टेमरी और डूमरतराई थोक मार्केट से लगे क्षेत्र में बिना अनुमति किए जा रहे भूमि विकास और सड़क निर्माण को आज संयुक्त टीम ने हटाया। यह कार्रवाई राजस्व विभाग, पुलिस विभाग, नगर तथा ग्राम निवेश विभाग, नगर निगम रायपुर और नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण की संयुक्त टीम द्वारा की गई।

प्राधिकरण को पहले प.ह. नं. 78 के रख. नं. 168, 167, 162, 165, 177 एवं अन्य भागों में अवैध विकास एवं निर्माण की शिकायत प्राप्त हुई थी। शिकायत की जांच के बाद संबंधित भू-स्वामी, विकासकर्ता और निर्माणकर्ता को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। निर्धारित समय में वैध अनुमति संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर कलेक्टर डॉ. सिंह के निर्देशानुसार अवैध निर्माण हटाने की कार्रवाई की गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि नवा रायपुर अटल नगर क्षेत्र में बिना स्वीकृति किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य स्वीकार्य नहीं है। भविष्य में भी इस तरह के मामलों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

महिला स्व सहायता समूह की दीदियों का 'जोरन' फ्लिपकार्ट मार्केट में इनरोल

दीदियों का तैयार उत्पाद अब पूरे देश में बिकेगा

शहर सत्ता/रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन एवं प्रमुख सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग श्रीमती निहारिका बारीक के निर्देशन में आज शहीद स्मारक भवन, रायपुर में आजीविका मिशन से जुड़ी महिलाओं के लिए राज्य स्तरीय ओरिएंटेशन/ट्रेनिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम फ्लिपकार्ट के सहयोग से आयोजित हुआ, जिसमें महिलाओं को ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर कारोबार से जुड़ने की विस्तृत जानकारी दी गई।

फ्लिपकार्ट के डायरेक्टर (कॉरपोरेट अफेयर्स, फ्लिपकार्ट समर्थ) श्री गिरीश नायर ने महिलाओं को मार्केटप्लेस पर उत्पाद लिस्टिंग, पैकेजिंग, पिकअप एवं रिटर्न प्रक्रिया सहित ऑनलाइन व्यवसाय की संपूर्ण कार्यप्रणाली समझाई। कार्यक्रम की विशेष उपलब्धि यह रही कि रायपुर की बिहान समूह जोरन की महिला उद्यमी श्रीमती विनीता पाठक को फ्लिपकार्ट के COO श्री रजनीश कुमार की उपस्थिति में आधिकारिक रूप से फ्लिपकार्ट मार्केटप्लेस से जोड़ा गया। अब स्थानीय बाजार से आगे बढ़कर राष्ट्रीय स्तर पर अपने उत्पाद बेच सकेंगी।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने बताया कि रायपुर जिले की महिलाओं को देश और विदेश में व्यापार करने तथा मेड इन इंडिया एवं मेड इन छत्तीसगढ़ उत्पादों को वैश्विक बाजार तक पहुँचाने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने के लिए विभिन्न योजनाएँ और कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जा रहे हैं।

बस्तर के गांव-गांव में हो रहा सकारात्मक बदलाव

वनमंत्री केदार कश्यप ने सालेमेटा में 38.64 लाख रुपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन-लोकार्पण

शहर सत्ता/रायपुर। वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा है कि हमारी सरकार बस्तर अंचल के गांव-गांव के विकास के जरिए लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में कार्य कर रही है। वे आज आज बस्तर जिले के सालेमेटा में 38.64 लाख रुपये की लागत वाले विकास कार्यो का भूमिपूजन और लोकार्पण कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे।

वन मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा पर विशेष ध्यान दे रही है। बस्तर तेजी से विकास की राह पर है और यह गति आगे भी जारी रहेगी। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि विकास कार्यों की गुणवत्ता पर नजर रखें और सुनिश्चित करें कि सभी काम ईमानदारी से पूरे हों। वनमंत्री श्री कश्यप ने खण्डसरा और खड़का में 11.74 लाख की लागत से सोलर हाई मास्ट लाइट का लोकार्पण किया। उन्होंने सालेमेटा-1 ग्राम पंचायत में 14 लाख रुपये की लागत से पुलिया निर्माण, हायर सेकेंडरी स्कूल में 200 मीटर आहाता निर्माण तथा कोटगढ़ में 12 लाख 90 हजार रुपये की लागत से पुलिया और आंगनबाड़ी केंद्र तक 300 मीटर सीसी रोड़ निर्माण कार्य का भी भूमिपूजन किया।

गांधी जयंती पर अवैध शराब के खिलाफ प्रशासन रहा मुस्तैद

शहर सत्ता/रायपुर। सचिव सह आबकारी आयुक्त सुश्री आर. संगीता एवं कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश तथा प्रभारी उपायुक्त आबकारी रायपुर राजेश शर्मा के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग रायपुर द्वारा कल 2 अक्टूबर ड्राई-डे पर अवैध मदिरा परिवहन, निर्माण एवं विक्रय के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की गई। प्राप्त सूचना के आधार पर तिल्दा-नेवरा क्षेत्र में दबिश देकर अवैध रूप से परिवहन की जा रही 49 नग पाव (8.84 बल्क लीटर) देशी मदिरा मसाला बरामद की गई। मौके पर आरोपी सुनिल निषाद को एक दुपहिया वाहन सहित गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। यह कार्रवाई तिल्दा वृत प्रभारी आबकारी उप निरीक्षक सुश्री मेधा मिश्रा के मार्गदर्शन में की गई, जिसमें आबकारी आरक्षक दिगंबर भूरा का विशेष सहयोग रहा।

इसी क्रम में आरंग के ग्राम चिखली में सुबह 5 बजे मुखबिर के सूचना के आधार पर आबकारी विभाग ने दबिश दी। मौके पर अवैध रूप से हाथ भट्टी निर्मित महुआ शराब का विक्रय कर रही दो आरोपी को गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई के दौरान 14.8 बल्क लीटर हाथ भट्टी निर्मित महुआ शराब एवं 90 किलोग्राम महुआ लाहन जब्त किया गया। आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की गैरजमानतीय धारा 34(1)(च), 34(2) एवं 59(क) के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचक प्रीति कुशवाहा द्वारा जेल दाखिल किया गया। इस कार्रवाई में आबकारी उप निरीक्षक सुश्री नीलम स्वर्णकार एवं आबकारी आरक्षक श्री विवेक श्रीवास्तव का विशेष योगदान रहा।

बाढ़ पीड़ितों के लिए बनीं मसीहा भूमि

भूमि पेडनेकर ने अभिनेता सोनू सूद की तरह सराहनीय काम किया है। उन्होंने जम्मू में बाढ़ से प्रभावित इलाकों का दौरा किया और बाढ़ से बेघर अनगिनत परिवारों की मदद के लिए एक क्राउडफंडिंग अभियान की शुरुआत की।

भूमि ने अपने इंस्टाग्राम पर वीडियो भी शेयर किया है। वीडियो के जरिए अभिनेत्री ने अपने प्रशंसकों से एकजुटता बनाने और योगदान करने की अपील की है। उनके इस सराहनीय काम की प्रशंसक भी सराहना कर रहे हैं। भूमि ने कहा, इनमें से कई परिवार दैनिक मजदूरी करते हैं और दशकों से अपने घर बना रहे थे। कुछ ही घंटों में उनकी सारी मेहनत खत्म हो गई। केट्टो इंडिया के साथ इस अभियान के जरिए हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि परिवारों को न केवल तत्काल राहत मिले, बल्कि वे सम्मान के साथ अपने जीवन को फिर से बना सकें। केट्टो के साथ साझेदारी में शुरू किए गए इस अभियान का मकसद धनराशि जुटाना है। गौरतलब है कि भूमि पेडनेकर जब इंडस्ट्री में आई थीं तो बॉक्स ऑफिस पर उनके करियर की शुरुआत तो काफी अच्छी रही थी। आयुष्मान खुराना के साथ आई उनकी फिल्म दम लगा के हईशा को फैंस का ढेर सारा प्यार मिला था। ये फिल्म सेमी हिट रही थी। इसके बाद अक्षय कुमार के साथ आई उनकी फिल्म टॉयलेट एक प्रेम कथा भी हिट रही थी। इस फिल्म का लाइफटाइम कलेक्शन 100 करोड़ से ज्यादा का रहा था। इसके बाद एक्ट्रेस की 4 फिल्में आईं। इनमें से 2 फिल्में हिट रहीं।

टॉम क्रूज अंतरिक्ष में करेंगे शादी

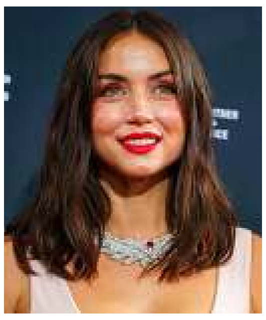

हॉलीवुड के मशहूर अभिनेता टॉम क्रूज फिर चर्चा में आ गए हैं। खबर है कि वह 26 साल छोटी अभिनेत्री एना डी अर्मास से शादी करने पर विचार कर रहे हैं। राडार ऑनलाइन के साथ बातचीत में एक सूत्र ने बताया है कि अभिनेता 'मिशनः इम्पॉसिबल' के खतरनाक स्टंट की तरह अपनी शादी को भी हैरतअंगेज बनाना चाहते हैं। इसलिए वह स्काईडाइविंग करते हुए शादी कर सकते हैं। टॉम और एना ने अपने रिश्ते की पुष्टि जुलाई, 2025 में की थी। अंतरिक्ष यात्रा के शौकीन हैं टॉम।

बिग बॉस 19

मालती वाइल्ड कार्ड से करेंगी प्रवेश

टीवी का विवादित शो 'बिग बॉस 19 दर्शकों का भरपूर मनोरंजन कर रहा है। घर में इस वक्त 14 सदस्य मौजूद हैं। इस बीच नया अपडेट है कि निर्माता घर में दूसरा वाइल्ड कार्ड सदस्य लाने की योजना बना रहे है। शहनाज गिल के भाई शहबाज बदेशा के बाद मालती चाहर दूसरी वाइल्ड कार्ड सदस्य बनकर घर में प्रवेश करेंगी। हालांकि, निर्माता ने अभी उनके नाम की पुष्टि नहीं की है। क्रिकेटर दीपक चाहर की बहन हैं मालती भारतीय क्रिकेटर दीपक चाहर की बहन हैं जो अभिनेत्री होने के अलावा निर्देशक भी हैं। उन्होंने 2024 में रिलीज लघु फिल्म सात फेरे अड्रीम हाउसवाइफ का निर्देशन किया है। इसके अलावा उन्हें जीनियस (2018) और सदा वियाह होया जी' (2022) जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। मालती मॉडलिंग और कई सौंदर्य प्रतियोगिता का हिस्सा रही है। 2009 में उन्होंने मिस इंडिया अर्थ का खिताब जीता था, जबकि 2014 में फेमिना मिस इंडिया की उप विजेता रहीं थी। मालती सोशल मीडिया पर काफी लोकप्रिय है। उनके इंस्टाग्राम पर 10 लाख से ज्यादा समर्थक हैं।

पवन कल्याण 'ओजी' की सफलता के बाद ला रहे प्रीक्वल और सीक्वल

पवन कल्याण की हालिया रिलीज फिल्म 'दे कॉल हिम ओजी को दर्शकों की बेहतरीन प्रतिक्रिया मिल रही है। 25 सितंबर को रिलीज इस फिल्म की सफलता पर अभिनेता ने भी खुशी जाहिर की। एक कार्यक्रम के दौरान पवन ने कुछ ऐसा कहा जिससे कयास लगाए जाने लगे कि 'दे कॉल हिम OG' का प्रीक्वल और सीक्वल आना तय है। दरअसल, पवन ने 'ओजी' की दुनिया को कायम रखने की बात कही है। निर्देशक संग पहली मुलाकात को किया याद : 'दे कॉल हिम ओजी की सक्सेस मीट में पवन ने निर्देशक सुजीत संग पहली मुलाकात याद की। उन्होंने कहा, कहानी लिखना आसान है लेकिन पर्दे पर दिखाना मुश्किल है। शुरू में मुझे ओजी की पूरी कहानी पता नहीं थी। सुजीत ने कहा कि मुझे जापानी गैंगस्टर दिखना है। उसके हाथ में तलवार और OG बंदूक होगी। उन्होंने कहा, जब मैंने अपने बेटे को खुशी से कहानी पढ़ते हुए देखा तब समझ आया कि कहानी आज की पीढ़ी के लिए प्रासंगिक है।

महेश भट्ट का खुलासा, 'तांत्रिक के कहने पर इनवेस्टर को खिलाया था इंसान का मांस'

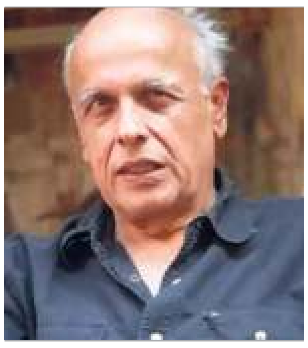

पवन कल्याण की हालिया रिलीज फिल्म 'दे कॉल हिम ओजी को दर्शकों की बेहतरीन प्रतिक्रिया मिल रही है। 25 सितंबर को रिलीज इस फिल्म की सफलता पर अभिनेता ने भी खुशी जाहिर की। एक कार्यक्रम के दौरान पवन ने कुछ ऐसा कहा जिससे कयास लगाए जाने लगे कि 'दे कॉल हिम OG' का प्रीक्वल और सीक्वल आना तय है। दरअसल, पवन ने 'ओजी' की दुनिया को कायम रखने की बात कही है। निर्देशक संग पहली मुलाकात को किया याद : 'दे कॉल हिम ओजी की सक्सेस मीट में पवन ने निर्देशक सुजीत संग पहली मुलाकात याद की। उन्होंने कहा, कहानी लिखना आसान है लेकिन पर्दे पर दिखाना मुश्किल है। शुरू में मुझे ओजी की पूरी कहानी पता नहीं थी। सुजीत ने कहा कि मुझे जापानी गैंगस्टर दिखना है। उसके हाथ में तलवार और OG बंदूक होगी। उन्होंने कहा, जब मैंने अपने बेटे को खुशी से कहानी पढ़ते हुए देखा तब समझ आया कि कहानी आज की पीढ़ी के लिए प्रासंगिक है।

'कांतारा' का तूफान : 3 दिन में कमाए 200 करोड़

ऋषभ शेट्टी की फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' से जैसी उम्मीदें थीं फिल्म उन सभी पर खरी उतर चुकी है. साल 2022 में आई 'कांतारा' के ब्लॉकबस्टर होने के बाद जब से इस फिल्म की घोषणा हुई थी, तब से ही सभी की निगाहें इस फिल्म पर थीं. इस मचअवेटेड फिल्म को कन्नड़, तमिल, तेलुगु, बंगाली, मलयालम और हिंदी समेत दूसरी कई भाषाओं में भर-भरकर दर्शक मिल रहे हैं. फिल्म के पहले वीकेंड का आज आखिरी दिन है तो चलिए जान लेते हैं कि फिल्म ने अभी तक कितनी कमाई कर ली है.

फिल्म ने सैक्निल्क के मुताबिक, ओपनिंग डे पर 61.85 करोड़ रुपये का बिजनेस किया. दूसरे दिन फिल्म की कमाई 46 करोड़ रही. तो तीसरे दिन 55.25 करोड़. यानी फिल्म ने पहले दिन कमाई का अर्धशतक, दूसरे दिन सैकड़ा तो तीसरे दिन 150 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया.अब आज यानी चौथे दिन 6:05 बजे तक फिल्म ने 41.8 करोड़ रुपये का बिजनेस करते हुए टोटल 204.9 करोड़ रुपये बटोर लिए हैं. बता दें कि ये आंकड़े फाइनल नहीं हैं. इनमें अभी बदलाव हो सकता है.

'कांतारा चैप्टर 1' का बजट और वर्ल्डवाइड कलेक्शन

कोईमोई के मुताबिक, फिल्म का बजट 125 करोड़ रुपये है और फिल्म ने सैक्निल्क पर उपलब्ध 3 दिनों के डेटा के मुताबिक वर्ल्डवाइड 218 करोड़ रुपये कमा लिए हैं. यानी फिल्म अपने बजट का दोगुना कमाकर सिर्फ 4 दिन में हिट हो चुकी है. 'कांतारा चैप्टर 1' ने एक-एक करके अलग-अलग फिल्म इंडस्ट्री की टॉप 10 कमाई वाली 2025 की फिल्मों को चोट पहुंचाई है.

कन्नड़ सिनेमा: 'कांतारा चैप्टर 1' कन्नड़ सिनेमा की 2025 में दूसरी सबसे ज्यादा कमाई वाली फिल्म बन चुकी है. इससे सिर्फ एक फिल्म 'महावतार नरसिम्हा' (326.53 करोड़ रुपये) आगे है.

टॉलीवुड: इस फिल्म ने तेलुगु सिनेमा की साल 2025 की टॉप 10 कमाई वाली फिल्मों को पीछे कर दिया है. लिस्ट में नंबर 1 फिल्म 'संक्रांतिकी वस्तुनम' (186.7 करोड़ रुपये) भी इससे पीछे हो चुकी है.

कॉलीवुड: फिल्म ने तमिल सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई वाली 10 फिल्मों में से 9 को मात दी है. नंबर 1 की जगह पर बैठी रजनीकांत की 'कुली' (285.01 करोड़) ही 'कांतारा चैप्टर 1' से आगे है.

भाठीगढ़ में सैकड़ों वर्षों से मनाया जा रहा दशहरा पर्व

गौकरण मानिकपुरी

छत्तीसगढ़ में गरियाबंद जिले के वि.ख. मैनपुर अंतर्गत ग्राम भाठीगढ़ में सैकड़ों वर्ष पहले से दशहरा पर्व मनाया जा रहा है। स्थानीय निवासी इसे देव दशहरा के नाम से जानते हैं, क्योंकि दशहरा के दिन विधि विधान से देवी देवताओं को आमंत्रित किया जाता है। देव दशहरा पर्व चार दिन तक मनाई जाती है जिसमें माता बम्हनीन, मां काला कुंवर, माता पाठ देवी, माता भाठीगढ़ीन और माता दंतेश्वरी के साथ 52 ग्राम के आमंत्रित देवी देवता की पूजा अर्चना की जाती है। इन चार दिनों में इस स्थल पर मेला जैसा माहौल होता है जिसमें दूर दूर से भक्त अपनी आस्था प्रकट करने आते हैं। पूजा अर्चना में विशेष रूप से सोनपत्ती के रूप में शमी वृक्ष की पत्ती चढ़ाई जाती है। खासकर तलवार और अन्य हथियारों की भी पूजा की जाती है। पूजा अर्चना की समाप्ति पश्चात देवी पर चढ़े सोनपत्ती को भक्तों पर वर्षा कर दशहरा पर्व मनाई जाती है। रामलीला का आयोजन भी इस अवसर पर किया जाता है। खासकर विजय दशमी के दिन देवी देवताओं की अनुमति के बाद ग्रामीण अंचल के देवी देवताओं के डोली, डांग, सांगा बाना और खड़क के साथ बाजा गाजे के साथ भाटीगढ़ पहुंचते हैं। दूर दूर से व्यापारी भी व्यवसाय करने यहां पहुंचते हैं।

चंद्रपुर में नवमीं को मनाया जाता है दशहरा

प्रो. अश्विनी केशरवानी

उड़ीसा के संबलपुर रियासत के अंतर्गत चंद्रपुर एक छोटी जमींदारी थी। जब मध्यप्रदेश बना तब चंद्रपुर को बिलासपुर जिलांतर्गत जांजगीर तहसील में सम्मिलित किया गया था, जो महानदी और मांड नदी के तट पर स्थित है। यहां की अधिष्ठात्री चंद्रसेनी देवी हैं। इस मंदिर की स्थापना के बारे में एक किंवदंती प्रचलित है, जिसके अनुसार चंद्रसेनी देवी, सरगुजा की सरगुजहीन दाई और संबलपुर की समलेश्वरी देवी की छोटी बहन है। समलेश्वरी देवी रायगढ़ और सारंगढ़ में भी विराजमान हैं। एक बार किसी बात को लेकर चंद्रसेनी देवी नाराज होकर सरगुजा छोड़ कर चली जाती हैं। सरगुजा की सीमा को पार कर उदयपुर होते हुए रायगढ़ आ जाती हैं। यहां समलेश्वरी देवी उन्हें रोकने का बहुत प्रयास करती हैं, लेकिन चंद्रसेनी देवी यहां भी नहीं रुकती और दक्षिण दिशा में आगे बढ़ जाती हैं और महानदी के तट पर रुक कर विश्राम करने लगीं। सफर की थकान से उन्हें गहरी नींद आ गई। इसी बीत संबलपुर के राजा की सवारी महानदी पार करते समय और अनजाने में राजा के पैर की ठोकर मिट्टी से दबी चंद्रसेनी देवी की लग गई, जिससे उसकी निद्रा खुल गई। उन्होंने राजा को स्वप्न में निर्देश दिया कि तुमने मेराअपमान किया है, अगर तुमने महानदी के तट पर एक मंदिर निर्माण कर मेरी स्थापना नहीं कराई तो तुम्हारा सर्वनाश हो जाएगा। तत्काल राजा ने मूर्ति को निकलवाकर महानदी के तट पर टीले के ऊपर एक मंदिर निर्माण कर विधिवत चंद्रसेनी देवी की स्थापना की। आगे चलकर उनके नाम पर चंद्रपुर नगर बसा। आज चंद्रसेनी देवी छत्तीसगढ़ और ओडिशा की अधिष्ठात्री देवी हैं। यहां प्रति वर्ष बड़ी धूमधाम से नवरात्र पर्व में पूजा अर्चना की जाती है। यहां जेवरहा परिवार को पूजा का अधिकार दिया गया है। अष्टमी के दिन यहां बलि देने की प्रथा है। यहां शुरू से ही भैंसे की बलि दी जाती है और नवमीं को विजय खुशी मनाते हुए विजयादशमी पर्व उत्साह के साथ मनाया जाता है।

प्राचीन कलाकृति को संजोए भीम कीचक मंदिर

मल्हारगढ़ के प्रवेश द्वार पर लगा हुआ लोक निर्माण विभाग के विश्रामगृह के पास एक भूरा पत्थरों से विशालकाय 6 वीं 7 वीं निर्मित मंदिर खड़ा हुआ है। जिसे भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के रिकॉर्ड में भीम कीचक मंदिर के नाम से जाना जाता है। इस मंदिर की खुदाई 1979 में की गई। इसके पूर्व एक टीला हुआ करता था, जिसके ऊपर में विशाल इमली का पेड़ था। जब पेड़ गिरा तब मंदिर का मलवा सामने आया। पश्चिमाभिमुख इस मंदिर के गर्भ गृह में स्थापित शिवलिंग जलहरि को देखने से पता चलता है कि यह मंदिर शिवजी को समर्पित है। इस मंदिर के प्रवेश द्वार पर भी आजू बाजू में गंगा यमुना, भारवाहक की सुंदर मूर्तियां हैं। मंदिर प्रांगण स्थित एक कमरे में अर्धनारीश्वर भगवान दत्तात्रेय, माता अनसूईया रामायणकालीन राम बाली युद्ध, माता दुर्गा सहित अन्य दुर्लभप्रतिमाएं हैं।

अंचल में कार्तिक स्नान की परम्परा शरद पुन्नी से

डॉ. ज्योति चंद्राकर

छत्तीसगढ़ अंचल में आश्विन मास की पूर्णिमा को शरद पुन्नी का त्योहार मनाया जाता है। पूर्व समय में शरद पुन्नी की रात्रि आंगन में नए मिट्टी का चूल बना कर पूजा कर उसमें खीर बनाया जाता था। खीर को रात्रि घर की छत पर किसी पात्र में रख कर रात भर छोड़ दिया जाता था। ऐसी मान्यता है कि शरद पुन्नी की रात्रि स्वाति नक्षत्र की ओस की बूंदे और चन्द्रमा की किरणें खीर पर पड़ने से स्वास्थ्यवर्धक हो जाती है, इसे अमृत वर्षा कहते हैं। इस खीर को प्रातः भगवान को भोग चढ़ा कर परिवार के सभी लोग ग्रहण करते हैं। पूर्व में इस रात्रि को नाट्य प्रस्तुति भी होती थी।

इस अमृत वर्षा पर लोक कथा के अनुसार पपीहा के दुव्यवहार से ब्रह्म जी उन्हें श्राप दे देते हैं। श्रापित पपीहा की विनती करने पर उसे ब्रह्मा जी ने कहा, शरद पुन्नी की रात्रि को स्वाति नक्षत्र के बूंदों को मुख में डालने पर ही प्यास की तृप्ति बुझेगी। इसलिए पपीहा अमृत वर्षा की प्रतीक्षा शरद पुन्नी की रात्रि करता है। इसी आधार पर लोग रात्रि खीर बना कर घर के आंगन या छत पर रखते हैं और पूजा अर्चना कर प्रातः खीर को प्रसाद के रूप में ग्रहण करते हैं। पूर्व समय में रंग बिरंगे कागजों के बीच बल्ब लगा कर आकाशदीया बना कर शरद पुन्नी के दिन से कार्तिक पुन्नी तक जलाने का प्रचलन था। ऐसी मान्यता है कि आकाशदीया जलाने से पितरों को खुशी मिलती है। शरद पुन्नी के अगले दिन से प्रातः काल नदी स्नान कर दीपदान करने की परम्परा थी, जिसे कार्तिक नहाना कहा जाता है। आधुनिकता के इस दौर में अभी इसमें कई परम्परा विलुप्त होती दिख रही है।

कल्चुरीकालीन शाक्त प्रतिमाएं

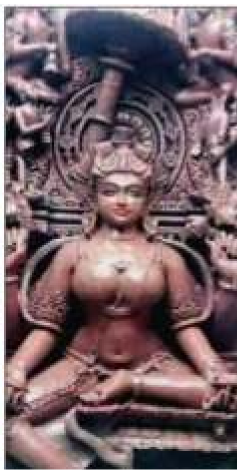

डॉ. पुष्पा तिवारी

दक्षिण कोसल क्षेत्र में शक्ति उपासना का परिचय अभिलेखों एवं अन्य कलाकृतियों से प्राप्त होता है। पार्वती, शैलदुहिता, दुर्गा, पर्वतसुता, गौरी, एकवीरा के मंदिर दक्षिण कोसल की विशेषता है। बिलासपुर के पुजारीपाल से प्राप्त गोपालदेव के शिलालेख में देवी के अनेक नामों में उनकी वंदना की गई है। यथा वाराही, भुजंगवल्या, त्रयि, जया, विजया, तारा, विंध्यवासिनी, महामाया, महाकाली, चंडिका, कामाक्षी जैसे अनेक नाम हमें मिलते हैं। माता दुर्गा की प्रतिमाएं प्रमुख रूप से दो स्वरूपों में प्राप्त होती है। सप्तमातृकाओं की मूर्तियां दक्षिण कोसल के देवी मंदिरों की ही नहीं वरन सभी मंदिरों की विशेषता रही है। कहीं कहीं मातृकाएं की संख्या आठ और नौ भी पाई गई हैं। रायपुर संग्रहालय में डीपाडीह से उपलब्ध चतुर्भुजी पार्वती की प्रतिमा संरक्षित है जो बारहवीं सदी की मूर्ति कला पर प्रकाश डालती हैं। प्रतिमा के दोनों हाथों में आयुध स्पष्ट है तथा निचले दाएं हाथ में अक्षमाला एवं निचले बाएं हाथ में कमण्डल है। पार्वती के दोनों ओर परिचारिकाएं हैं। नंदी देवियों को भी शक्ति रूप में स्वीकार किया गया है। सौम्य रूप में गौरी की अनेक प्रतिमाएं प्राप्त हुई हैं। इनमें प्रमुखता से गौरी को तप करते हुए चित्रित किया गया है। लाफा की पहाड़ी पर कल्चुरीकालीन महिषासुर मर्दिनी का मंदिर आज भी अपनी गौरव गाथा सुना रहा है। अतः नारी सौंदर्य के माध्यम से मूर्ति कला को पूर्णता प्रदान की गई है।

साप्ताहिक शहरसत्ता

मौत के सिरप का तांडव

- केंद्र ने सभी राज्यों को जारी की एडवाइजरी
- 14 मासूमों की मौत के बाद छह राज्यों ने लगाई रोक

छत्तीसगढ़ भी अलर्ट मोड पर, मेडिकल स्टोर्स पर सख्ती और बिना डॉक्टर पर्ची दवा न देने के निर्देश

नई दिल्ली/रायपुर। तमिलनाडु में निर्मित 'कोल्ड्रिफ कफ सिरप' (Coldrif Cough Syrup) पर देशभर में मचा हड़कंप थम नहीं रहा है। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में संदिग्ध किडनी फेल्योर से कम से कम 14 बच्चों की मौत के बाद कई राज्यों ने इस कफ सिरप की बिक्री और वितरण पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है।

तमिलनाडु, मध्य प्रदेश और राजस्थान के बाद अब केरल ने भी राज्य भर में 'कोल्ड्रिफ' की बिक्री रोक दी है। वहीं तेलंगाना ने सार्वजनिक चेतावनी (Public Alert) जारी की है।

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (CDSCO) ने भी छह राज्यों में स्थित दवा निर्माण इकाइयों का जोखिम-आधारित निरीक्षण (Risk-based inspection) शुरू कर दिया है। इस बीच, केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को एडवाइजरी जारी कर दो साल से कम उम्र के बच्चों को खांसी-जुकाम की दवाएं न देने का निर्देश दिया है।

क्या है पूरा मामला

तमिलनाडु के कांचीपुरम स्थित श्रीसन फार्मास्युटिकल्स (S r i s u n Pharmaceutical Pvt. Ltd.) द्वारा निर्मित 'कोल्ड्रिफ कफ सिरप' को लेकर विवाद तब शुरू हुआ जब मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में 7 सितंबर से 14 बच्चों की मौतें सामने आईं। प्रारंभिक जांच में पाया गया कि मृत बच्चों को Coldrif syrup दिया गया था।

मध्य प्रदेश ड्रग कंट्रोल डिपार्टमेंट की जांच में इस सिरप के नमूनों में 46.2% डायथिलीन ग्लाइकॉल (DEG) पाया गया — जबकि तमिलनाडु की रिपोर्ट में यह 48.6% तक पाया गया। डायथिलीन ग्लाइकॉल एक अत्यधिक विषैला औद्योगिक रासायनिक विलायक है, जो शरीर में जाने पर गुर्दे (किडनी) को गंभीर नुकसान पहुंचाता है और मौत का कारण बन सकता है।

कई राज्यों ने लगाया प्रतिबंध

तमिलनाडु, जहां यह सिरप बनाया गया, ने सबसे पहले 1 अक्टूबर से कोल्ड्रिफ की बिक्री पर रोक लगाई। मध्य प्रदेश सरकार ने छिंदवाड़ा की घटनाओं के बाद तत्काल प्रभाव से इसे राज्य में बैन किया। केरल ने शनिवार को सावधानी के तौर पर इसे राज्य भर में प्रतिबंधित कर दिया, भले ही संदिग्ध बैच वहां नहीं बेचा गया था। राजस्थान में भी भरतपुर, सीकर और चूरू जिलों में तीन बच्चों की मौत की खबरों के बाद सरकार ने केसंस फार्मा की सभी 19 दवाओं पर प्रतिबंध लगा दिया और राज्य ड्रग कंट्रोलर राजाराम शर्मा को निलंबित कर दिया। तेलंगाना ने भी 'पब्लिक अलर्ट' जारी करते हुए जनता से कोल्ड्रिफ का उपयोग बंद करने की अपील की है।

CDSCO ने शुरू की राष्ट्रीय जांच

बच्चों की मौतों के बाद केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (CDSCO) ने कार्रवाई तेज कर दी है। संगठन ने हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र की फार्मा इकाइयों से 19 दवाओं के नमूने एकत्र किए हैं। इनमें कफ सिरप, एंटीबायोटिक्स और ज्वरनाशक दवाएं शामिल हैं। रंभिक रिपोर्ट में 12 दवाओं के परीक्षण परिणाम मिल चुके हैं, जबकि 7 की जांच जारी है।

डॉक्टरों, मरीजों और मेडिकल स्टोर्स के लिए दिशा-निर्देश

मरीजों के लिए

- सर्दी-खांसी या बुखार में स्वयं दवा लेने से बचें, सरकारी अस्पताल में चिकित्सकीय जांच कराएं।
- यदि बच्चा 6 घंटे तक पेशाब नहीं कर रहा है, तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं।
- झोलाछाप या बिना रजिस्ट्रेशन वाले चिकित्सकों से इलाज न कराएं।

मेडिकल स्टोर संचालकों के लिए

- बिना प्रिस्क्रिप्शन के किसी भी कफ सिरप या एंटीबायोटिक की बिक्री न करें।
- प्रतिबंधित दवाओं का स्टॉक हटाएं और विभाग को रिपोर्ट करें।

डॉक्टरों के लिए

- यदि बच्चा पहले से कोई दवा ले रहा है, तो क्लिनिकल ऑब्जर्वेशन बढ़ाएं।
- किडनी की परेशानी या यूरिन रिटेंशन के लक्षण दिखने पर तुरंत हायर सेंटर रेफर करें।

बच्चों को बिना पर्ची दवा न दें

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को राज्यों को जारी राष्ट्रीय एडवाइजरी में कहा है कि "दो वर्ष से कम उम्र के बच्चों को खांसी-जुकाम की दवाएं न दी जाएं। पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों को केवल चिकित्सकीय सलाह पर ही ऐसी दवाएं दी जा सकती हैं।" स्वास्थ्य मंत्रालय के डीजीएचएस ने डॉक्टरों और फार्मासिस्टों को सलाह दी है कि मरीज की स्थिति का क्लिनिकल मूल्यांकन अनिवार्य है। दवाओं का कम से कम प्रभावी डोज़ और अवधि में उपयोग हो। कंबिनेशन ड्रग्स (एक से अधिक औषधीय तत्व वाली दवाएं) बच्चों को न दी जाएं।

छत्तीसगढ़ सरकार भी अलर्ट मोड पर

केंद्र की एडवाइजरी के बाद छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य विभाग और औषधि नियंत्रण प्रशासन भी अलर्ट है। राज्य सरकार ने सभी जिलों को निर्देश जारी किया है कि मेडिकल स्टोर्स में सरप्राइज जांच की जाए। बिना डॉक्टर की पर्ची के कफ सिरप या किसी भी कंबिनेशन ड्रग्स की बिक्री पर रोक लगाई जाए। नियम तोड़ने वाले दुकानदारों पर सख्त कार्रवाई की जाए। एडिशनल ड्रग कंट्रोलर बी.आर. साहू ने कहा सभी मेडिकल स्टोर्स को चेताया गया है कि शेड्यूल-H और H–1 दवाएं केवल डॉक्टर की प्रिस्क्रिप्शन पर ही दी जाएं। केंद्र सरकार की एडवाइजरी के बाद जांच और सख्त होगी।"

छत्तीसगढ़ में 'कोल्ड्रिफ' नहीं, लेकिन उसका फार्मूला मौजूद

छत्तीसगढ़ दवा संघ के उपाध्यक्ष अश्वनी विग ने बताया कि विवादित 'कोल्ड्रिफ' सिरप राज्य में लॉन्च नहीं हुआ है, क्योंकि निर्माता कंपनी श्रीसन फार्मा का छत्तीसगढ़ में कोई डिपो या सप्लाई चैनल नहीं है। हालांकि, 'कोल्ड्रिफ' के समान फार्मूला वाले अन्य सिरप कुछ दवा दुकानों में उपलब्ध हैं, लेकिन वे स्टैंडर्ड क्वालिटी कंपनियों के हैं और नियामक जांच के बाद ही बिक्री में हैं।

राज्यभर में निगरानी

छत्तीसगढ़ में लगभग 8,000 दवा दुकानें हैं, जिनमें से 3,000 रायपुर में हैं। राज्य औषधि विभाग ने इन दुकानों को निर्देशित किया है कि सभी प्रतिबंधित सिरप और फॉर्मूले की बिक्री तुरंत रोकें। किसी भी सिरप की बिक्री से पहले बिलिंग रिकॉर्ड और प्रिस्क्रिप्शन अनिवार्य रखें। बिना लाइसेंस स्टॉक रखने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी।

राज्यों की जांच रिपोर्ट अब तक

राज्य	मौतें	रिपोर्ट में क्या पाया गया	कार्रवाई
मध्य प्रदेश (छिंदवाड़ा)	14	46.2% डायथिलीन ग्लाइकॉल	कोल्ड्रिफ और नेक्स्ट्रो-डीएस बैन
तमिलनाडु	—	48.6% DEG	सिरप मानक गुणवत्ता का नहीं, बिक्री प्रतिबंधित
राजस्थान (सीकर, भरतपुर, चूरू)	3	संदिग्ध DEG युक्त सिरप	केसंस फार्मा की 19 दवाएं बैन
केरल	—	कोई प्रभावित बैच नहीं, फिर भी प्रतिबंध	राज्यव्यापी बिक्री निलंबित
तेलंगाना	—	चेतावनी जारी	'पब्लिक अलर्ट' जारी
छत्तीसगढ़	0	कोई बिक्री नहीं	एडवाइजरी और सख्त निगरानी

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक श्री सुकांत राजपूत द्वारा ए.आर. प्रिंटर्स, निरंकारी फर्नीचर के पीछे, पंडरी रायपुर से मुद्रित एवं शहरसत्ता, एस-15 प्रियदर्शिनी नगर, सेक्टर 1, मातृ-पितृ छाया अपार्टमेंट, रायपुर (छ.ग.), मोबाईल नं. 98271-81979, फोन नं. 0771-3158142, संपादक - सुकांत राजपूत (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार के लिए जिम्मेदार), महाप्रबंधक - प्रदीप चंद्रवंशी (मो. 70006-81023)।